आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिंन करें
WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 15 अंक 348-● जबलपुर ● सोमवार, 24 जनवरी, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ कृष्ण पक्ष-7 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

बैतूल में नाचते-नाचते युवक गिरा,हो गई मौत

बैतूल। कई बार आंखों के सामने ऐसे हादसे हो जाते हैं कि यकीन नहीं होता। ऐसा ही एक हादसा हुआ मध्य प्रदेश के बैतूल में। यहां पर शादी समारोह में डांस करते-करते एक युवक गिर गया और उसकी मौत हो गई। इस दौरान वहां मौजूद उसके दोस्त इस बात पर यकीन नहीं कर सके। एक दोस्त उसे उठाने की कोशिश भी करता है, लेकिन कोई हरकत न होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया(

भारत में मिला ओमिक्रॉन का नया वैरिएंट B A-2

इंदौर में 4 बच्चों समेत 16 मरीजों में पुष्टि

नई दिल्ली। दुनियाभर में कहर ढा रहे कोरोना के ओमिक्रॉन वर्जन के बीच वायरस के एक और वैरिएंट का खतरा मंडराने लगा है। इस वैरिएंट को BA-2 नाम दिया गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में ओमिक्रॉन के सब वैरिएंट BA-2 ने दस्तक दे दी है। ओमिक्रॉन के नए स्ट्रेन से शहर में 16 लोग संक्रमित मिले हैं। इनमें 6 बच्चे भी हैं। वहीं, देशभर से 530 सैम्पल जांच के लिए भेजे गए है। च, ऑस्ट्रेलिया और डेनमार्क में भी इसके केस सामने आए हैं। यह वैरिएंट ओमिक्रॉन की तरह ही तेजी से फैलता है। ऐसे में इसकी पहचान न होने पर इसके संक्रमण को रोक पाना बड़ी चुनौती है। चिंता की बात यह है कि टेस्ट किट की पकड़ में भी नहीं आ रहा है। इसी वजह से इसे 'स्टेल्थ' यानी छिपा हुआ वर्जन कहा जा रहा है। ब्रिटेन, स्वीडन और सिंगापुर में से हर एक देश ने 100 से ज्यादा सैम्पल जांच के लिए भेजे हैं। ओमिक्रॉन वैरिएंट अब भारत में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्टेज में पहुंच गया है। फिलहाल देश में लगभग 22 लाख एक्टिव केस मौजूद हैं।ओमिक्रॉन वैरिएंट अब भारत में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्टेज में पहुंच गया है। फिलहाल देश में लगभग 22 लाख एक्टिव केस मौजूद हैं।

देशभर से 530 सैम्पल जांच के लिए भेजे गए थे

स्टेल्थ वर्जन कहां, कब मिला?

अभी ये साफ नहीं कि इस वर्जन का पहला केस कहां मिला। ब्रिटिश स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, ब्रिटेन में पहली बार 6 दिसंबर 2021 को स्टेल्थ वर्जन का पता चला था। वहां इसके 426 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। यह अन्य वैरिएंट के मुकाबले तेजी से फैलता है।

वैरिएंट के लक्षण क्या है?

कोरोना के नए वैरिएंट क्र-2 के लक्षण ओमिक्रॉन की तरह ही हैं। ओमिक्रॉन का पता लगाने के लिए जिस जेनेटिक सोर्स को देखते हैं, वह BA-2 में सिरे से नदारद होता है। ऐसे में जेनेटिक सीक्वेंसिंग के जरिए ही इस वैरिएंट की पहचान की जा सकती है।

कितने देशों में पहुंच चुका है?

कोरोना के नए वैरिएंट्स को पहचानने के लिए पिछले साल 17 नवंबर से च्लोबल इनिशिएटिव ऑन शेयरिंग ऑल इन्फ्लुएंजाज के तहत तमाम देशों से डेटा जुटाया जा रहा है। अब तक करीब 40 देश अपना डेटा भेज भी चुके हैं, जिनमें भारत भी शामिल है।

इंदिरा गांधी भी चाहती थीं स्थायी राष्ट्रीय युद्ध स्मारक

नई दिल्ली । इंडिया गेट पर रखी अमर जवान ज्योति को अब राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में ही रख दिया गया है। यहीं पर 1947 से अब तक देश की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि के लिए एक ज्योति पहले से जल रही है। अब दोनों ज्योतियों का विलय कर दिया गया है। हालांकि इसे लेकर विवाद भी तेज है और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इसे शहीदों का अपमान करार दिया है। इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति को पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने 1971 में रखा था। बांग्लादेश युद्ध के दौरान शहीद करीब 4 हजार भारतीय सैनिकों की याद में यह ज्योति प्रज्वलित की गई थी। लेकिन तब खुद इंदिरा गांधी ने भी एक स्थायी युद्ध स्मारक की बात कही थी।

ऐतिहासिक स्रोत बताते हैं कि इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति का रखा जाना अस्थायी व्यवस्था थी। तब खुद इंदिरा गांधी ने देश के लिए शहीद होने वाले जवानों के सम्मान के लिए स्थायी स्मारक बनाने की जरूरत बताई थी। इंदिरा गांधी ने अमर जवान के नाम से स्मारक बनाने की बात कही थी। उनकी सरकार में डिफेंस मिनिस्टर रहे बाबू जगजीवन राम ने 1 सितंबर, 1972 को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया था कि इंडिया गेट पर रखी गई अमर जवान ज्योति अस्थायी है और भविष्य में एक राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की योजना है।

अमर जवान ज्योति को बताया था टेम्परेरी

बाबू जगजीवन राम ने कहा था, च्यह अस्थायी है, एक परमानेंट स्मारक बनेगाज् बाबू जगजीवन राम ने लोकसभा में कहा था, च्एक अस्थायी युद्ध स्मारक अमर जवान ज्योति के साथ इंडिया गेट के पास बनाया गया है।

27 हजार मरीज कम — कोरोना से मामूली राहत

439 लोगों की मौत, सक्रिय मामले 22 लाख के पार

नई दिल्ली । देश में कोरोना का कहर लगातार जारी है। संक्रमित मरीजों की संख्या में कभी कमी तो कभी तेजी देखी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा

जारी सोमवार (24 जनवरी) के आंकड़े के अनुसार देश में बीते 24 घंटे में 3 लाख 6 हजार 64(3,06,064) नए मामले सामने आए हैं जो कि रविवार की तुलना में 27,469 कम हैं। वहीं बीते 24 घंटे में लोगों की कोरोना से मौत हुई है। सबसे अधिक चिंता करने वाली बात यह है कि देश में अब भी 21 लाख से अधिक लोग (21,87,205) संक्रमित हैं। हालांकि इस दौरान 2 लाख, 59 हजार 168(2,59,168) लोग स्वस्थ भी हो गए। देश में दैनिक पॉजिटिविटी रेट बढ़कर अब 17.78 फीसदी हो गई है। देश में एक्टिव केस कुल केस के 5.57 फीसदी हैं। वहीं, साप्ताहिक संक्रमण दर 17 फीसदी से ऊपर है। कर्नाटक में कोहराम, भारत में सबसे ज्यादा मामले कर्नाटक में आए हैं। जहां कि बीते 24 घंटे में संक्रमित मरीजों की संख्या 50 हजार से अधिक(50,210) आई है। केरल में 45,449 केस, महाराष्ट्र में 40,805 केस, तमिलनाडु में 30,580 केस और गुजरात में 16,617 मरीज मिले हैं।

मप्र में 10,585 नए मामले, 6 मौत

भोपाल, । कोरोना की तीसरी लहर के प्रकोप के दौरान यह राहत की बात है कि प्रदेश में कोराना मरीजों की संख्या लगातार दूसरे दिन भी कम हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार रविवार को 80,967 सैंपल की जांच में 10,585 मरीज मिले हैं। छह मरीजों की मौत हुई है। इनमें चार इंदौर, एक भोपाल और एक जबलपुर में है। शनिवार को कुल 83,365 सैंपल की जांच में प्रदेश में 11,253 मरीज मिले थे। शुक्रवार को कोरोना के 11,274 नए मरीज सामने आए थे।उधर, इस बीच एक चिंता बढ़ाने वाली बात यह है कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों का आंकड़ा एक हजार से ऊपर पहुंच गया है। फिलहाल 1034 पॉजिटिव और 145 संदिग्ध मरीज प्रदेश के अस्पतालों में भर्ती हैं। इसके साथ-साथ सक्रिय मरीजों का आंकड़ा भी सत्तर हजार के करीब पहुंच गया है। प्रदेश में फिलहा 69,893 मरीज हैं।

शेयर बाजार में सुस्ती जारी, सेंसेक्स 180 अंक टूटकर खुला

नई दिल्ली । । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 181.51 अंक या 0.31 फीसदी टूटकर 58856 के स्तर पर खुला, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी 61.70 अंक या 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 17555 पर खुला। बाजार खुलने के साथ ही लगभग 1126 शेयरों में तेजी आई, जबकि 1175 शेयरों में गिरावट आई और 131 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

रूस और यूक्रेन के बीच जंग का खतरा

वाशिंगटन । अ बढ़ते तनाव व जंग के हालात के मद्देनजर अमेरिकी विदेश विभाग ने दोनों देशों स्थित अमेरिकी दूतावास से पात्र परिवारों को इन देशों को छोड़ने का आदेश दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूसी सैन्य कार्रवाई के निरंतर खतरे के कारण यूक्रेन और रूस के अमेरिकी दूतावास से पात्र परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया गया है। सुरक्षा की स्थिति, विशेष रूप से रूस के कब्जे वाले क्रीमिया और रूस-नियंत्रित पूर्वी यूक्रेन में, अप्रत्याशित है और बिगड़ सकती है।यूक्रेन स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपनी ट्रेवल एडवायजरी में कहा है कि रूस की सैन्य कार्रवाई व कोविड-19 के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिकी नागरिक यूक्रेन की यात्रा न करें। अपराध और आंतरिक अशांति की आशंका के मद्देनजर अधिकतम सतर्कता बरतें। क्रीमिया, डोनेटस्क और लुहान्स्क के कुछ इलाकों में ज्यादा सावधानी रखने की जरूरत है।

रसोई घर में फटा सिलेंडर 4 गंभीर

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के एक घर में रसोई गैस सिलेंडर फटने के बाद आग लगने से एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सिलेंडर फटने की यह घटना शुक्रवार रात शीतला कॉलोनी में हुई। पुलिस के मुताबिक, घायलों में 40 वर्षीय संजू, उनकी पत्नी लक्ष्मी (36), बेटी निकिता (19) और बेटा नितिन (12) शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के रहने वाले संजू यहां रेहड़ी-पटरी लगाने का काम करते हैं और परिवार के साथ इस घर में किराये पर रहते हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी घायल करीब 60-70 फीसदी तक जल गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।उन्होंने बताया कि घटना उस समय हुई जब लक्ष्मी किराए के मकान की रसोई में खाना बना रही थी, तभी जोरदार धमाके के साथ सिलेंडर फट गया और कमरे में मौजूद चारों लोग घायल हो गए।

चुनाव से पहले अयोध्या में रेल हादसे की आतंकी साजिश?

ट्रैक से खोले गए नट, 3 ट्रेनें भी गुजरीं

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सहित देश के 5 राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों और गणतंत्र दिवस से ठीक पहले अयोध्या में कथित तौर पर एक बड़े रेल हादसे को अंजाम देने की आतंकी साजिश का मामला सामने आया है। हालांकि, इस हरकत के पीछे कौन था इसका अभी पता नहीं चल सका है। घटना का खुलासा होने के बाद पुलिस के साथ ही रेलवे भी सतर्क हो गया है। जानकारी के अनुसार, अयोध्या धाम के रानोपाली रेलवे क्रॉसिंग के पास शनिवार देर रात रेलवे ट्रैक के 6 नेट खुले मिले थे। रविवार सुबह जब तक रेलवे कर्मियों की नजर पड़ी इस ओर पड़ी तब जाकर इस घटना का पता चला, तब तक कई प्रमुख ट्रेनें यहां से गुजर गईं। इसकी जानकारी मिलते ही रेलवे विभाग में मचा हड़कंप मच गया। इसके बाद आनन-फानन में ट्रैक को सही कराया गया। इस

घटना को आतंकी साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। इस घटना के बाद रेलवे अधिकारियों की ओर से रेल हादसे की आशंका व्यक्त करते हुए रेलवे सुरक्षा बल के थाना अयोध्या कैंट एवं कोतवाली अयोध्या में तहरीर दी गई है। आरपीएफ ने बोल्ट चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चरित्र पर शक हुआ तो पत्नी की काटी नाक

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक पति द्वारा पत्नी की नाक काटने का मामला सामने आया है। पत्नी के चरित्र पर संदेह होने पर पति ने यह कदम उठाया। घटना शिवपुरी जिले के बैराड़ स्बे की है। पुलिस में मामले की शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने आरोपी पति बंटी जाटव के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि महिला रेखा जाटव पिछले छह दिनों से घर से बाहर थी। जब वह वापस आई तो गुस्से में लाल पति ने पहले मारपीट की। इसके बाद पति ने उससे पूछा कि वह बिना बताए कहां चली गई थी? पति के पूछने पर उसने जवाब नहीं दिया तो पति ने उसके चरित्र पर संदेह के चलते बगल में रखी सब्जी काटने बाली छुरी से उसकी नाक काट दी। नाक काटने के बाद पति ने पत्नी को धमकी दी कि अगर वह इस मामले की शिकायत करने के लिए थाने में गई तो उसे जान से मार देगा। वहीं बैराड़ थाना प्रभारी अरविंद चौहान ने बताया है कि करीब 6 दिन पहले पति को बिना बताए पत्नी घर से चली गई। वापस लौटने के बाद पति ने गुस्से में चरित्र पर संदेह हुआ तो उसने पत्नी की नाक काट दी। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

10 रुपये भी हैं जेब में?...सेल्समैन ने मजाक उड़ाकर किसान को भगाया

ले आया 10 लाख

नई दिल्ली। कहते हैं कि किसी इंसान को उसके कपड़ों से नहीं आंकना चाहिए। ऐसी ही भूल एक कार शोरूम के सेल्समैन से हुई। कर्नाटक के तुमकुरु में एक किसान अपने दोस्तों के साथ कार के शोरूम पहुंचा। वह अपनी ड्रीम कार खरीदने गया था लेकिन उसके कपड़े देखकर सेल्समैन ने उसे भगा दिया। अपमानित किसान 30 मिनट के अंदर दस लाख रुपये कैश लेकर अपनी ड्रीम कार खरीदने लौटा।

मामला चिक्कासांद्रा होबली में रामनपाल्या के केम्पेगौड़ा आरएल के साथ हुआ। पेशे से सुपाड़ी किसान केम्पेगौड़ा एसयूवी बुक करने के लिए शोरूम पहुंचे थे। सेल्समैन ने उन्हें देखकर मजाक उड़ाया। सेल्समैन ने कहा, 10 लाख रुपये तो दूर, तुम्हारी जेब में 10 रुपये भी नहीं होंगे। उसे लगा कि किसान बेकार में उसका समय बर्बाद करने आए हैं। शोरूम से निकलने से पहले, केम्पेगौड़ा और उनके दोस्तों ने सेल्समैन को चुनौती दी कि अगर वह आज ही कैश लेकर आता है तो उसने एसयूवी की डिलीवरी तुरंत करनी होगी। सेल्समैन ने उसे भगा दिया। केम्पेगौड़ा अपने खेत में चमेली और क्रॉसेंड्रा भी उगाते हैं। उन्होंने बताया कि वह सेल्समैन को चेतावनी दे आए थे।

मेरी सेहत की चिंता करते हैं कुछ लोग, दिखाऊंगा ताकत

भाजपा पर बरसे उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे बीते साल नवंबर में स्पाइन सर्जरी कराने के बाद से पहली बार रविवार को नजर आए। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की जयंती पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सीएम ने इस दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला। कभी अपनी साझीदार रही भाजपा पर बरसते हुए उद्धव ने कहा कि हमने ही इन्हें 25 सालों तक पोषित किया और यह दुर्भाग्यूपर्ण था। उन्होंने कहा कि हमने इनके साथ मिलकर अपने 25 सालों को गंवा दिया। इस मौके पर उन्होंने शिवसेना के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एनसीपी और कांग्रेस के लोगें के साथ मिलकर संस्थाओं के निर्माण का काम करें। स्पाइन सर्जरी के बाद से उद्धव ठाकरे राजनीतिक गतिविधियों से दूर रहे हैं। इस पर भाजपा हमला भी करती रही है कि यदि उनकी सेहत खराब है तो वह किसी और को जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा, च्मैं जल्दी ही बाहर निकलूंगा और पूरे महाराष्ट्र का दौरा करूंगा। मैं विरोधियों को भगवा रंग की ताकत दिखाऊंगा, जो मेरी

सेहत को लेकर चिंतित हैं। जैसे केयरटेकर सरकारें होती हैं, वे केयरटेकर विपक्ष हैं और इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा ज्उद्धव ठाकरे ने कहा कि अफसोस है कि हम 25 सालों तक उनके साथ रहे। भाजपा के हिंदुत्व को भी उन्होंने छलावा बताते हुए कहा कि वह सिर्फ सत्ता का प्रदर्शन है।

अमित शाह पर सीधा हमला

सीधे होम मिनिस्टर अमित शाह पर हमला बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह पुणे आए थे और हमें अकेले लड़ने की चुनौती दी थी। हमें उनके चैलेंज को स्वीकार किया। दशहरा की रैली में मैंने उनके चैलेंज को स्वीकार करने की बात कही थी। यदि आपके पास साहस है और कार्यकर्ताओं की ताकत है तो फिर आप किसी ईडी या अन्य एजेंसी से नहीं डरते। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा च्यूज एंड थ्रोज् की पॉलिसी अपनाती है।

भाजपा को याद दिलाई,बालासाहेब की बात

उद्धव ठाकरे ने कहा, हम हिंदुत्व नहीं छोड़ेंगे। हमने भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ा है, लेकिन हिंदुत्व नहीं छोड़ा। लेकिन बालासाहेब ने भाजपा से कहा था कि आप देश को संभालो। हम महाराष्ट्र की चिंता करेंगे। लेकिन उन्होंने विश्वासघात किया और हमें ही खत्म करने का प्रयास करने लगे। हमने उन्हें कई सालों तक झेला। लेकिन वे जैसे ही जीते, उन्होंने इस्तेमाल करो और फेंको की नीति अपना ली।

फाइनल रिहर्सल का कलेक्टर-एसपी ने लिया जायजा

जबलपुर कलेक्टर-एसपी को जब प्रधान आरक्षक धरमू को करना पड़ा सेल्यूट

जबलपुर। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने गणतंत्र दिवस की फाइनल रिहर्सल का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पूरे कार्यक्रम में कोरोना गाइड का पालन कड़ाई से किया जाए। किसी भी तरह की लापरवाही नजर नहीं आना चाहिए।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की फाइनल रिहर्सल

जबलपुर, यशभारत। गणतंत्र दिवस से पहले सोमवार की सुबह राइट टाउन स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। रिहर्सल की अंतिम कड़ी में उसी तरह के प्रोटोकॉल का पालन किया गया जैसा 26 जनवरी को मुख्य समारोह में होना है। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी और समूचा स्टेडियम वंदे मातरम व भारत माता के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान कोरोना से बचाव के लिए जारी गाइड लाइन का पालन किया गया। बताया जाता है कि गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भर्गाव मुख्य अतिथि होंगे। लेकिन अंतिम रिहर्सल परेड में पुलिस लाइन में पदस्थ प्रधान आरक्षक धरमू सिंह को मुख्य अतिथि बनाया गया था। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा के द्वारा प्रधान आरक्षक धरमू सिंह को सैल्यूट किया।

तीन साल से बन रहा हूं मुख्य अतिथि

पुलिस लाइन में पदस्थ प्रधान आरक्षक धरमू ने बताया कि उसे तीन साल से 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की फाइनल रिहर्सल में मुख्यअतिथि बनने का अवसर प्रदान होता है। प्रधान आरक्षक का कहना है कि मुख्य अतिथि बनना सौभाग्य की बात है परंतु वरिष्ठ अधिकारियों के सामने थोड़ा असहज महसूस होता है।

15 बच्चों को वितरित की गई साइकिल

जबलपुर, यशभारत। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में देवेंद्र बंगाली क्लब और शिशु विद्या पीठ,जीसीएफ स्टेट में एक कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया । इस कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर होनहार 15 बच्चों को क्लब और शाला के सदस्यों द्वारा साइकिल प्रदान की गई। समिति के पदाधिकारी ने बताया कि एक साइकिल से शुरू हुआ यह सफर आज 15 साइकिल तक पहुंच गया और आशा करते हैं कि आगे भी जारी रहेगा। क्लब और शाला समिति ने सभी लोगों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया ।

मौसम के बदलते मिजाज कर रहे बीमार

जबलपुर,यशभारत। पिछले कुछ दिनों से मौसम में हो रहे बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर साफ नजर आ रहा है। हर कोई को सर्दी, खांसी हो रहा है। कुछ लोग बुखार से भी पीड़ित हो रहे हैं। मौसम में कभी साफ तो कभी बादल हो जाते हैं। कभी तेज सर्दी तो कभी हल्की गर्मी का असर होने लगता है। इससे मानव जीवन पर विपरीत असर पड़ रहा है। इसी कारण इन दिनों मौसमी बीमारी का असर भी बढ़ते जा रहा है। लोगों को कोरोना पाजिटिव होने का डर बना रहता है। क्योंकि मौसम के बदलाव के चलते सर्दी जुकाम के मरीज बढ़ रहे हैं। मौसम का प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। पिछले एक माह से तेज सर्दी का असर बना हुआ था।। हर कोई को सर्दी, खांसी हो रहा है। कुछ लोग बुखार से भी पीड़ित हो रहे हैं। इसी कारण पिछले सप्ताह में बड़ी संख्या में लोगों में कोरोना का संक्रमण बढ़ा है। आंकड़ा बढ़ता ही गया है। रविवार की रात को 910 मरीज सामने आए हैं। एक मौत भी हुई है।

लगातार बढ़ रहे सर्दी, खांसी, बुखार के मरीज

प्राइवेट और जिला अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जिला अस्पताल में हर दिन 500 से ऊपर मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें 80 से 100 मरीज सर्दी, खांसी तथा वायरल से संबंधित पाए गए हैं। इसमें से कुछ मरीजों को इलाज के लिए भर्ती होना पड़ रहा है। मौसम के मिजाज के चलते विभिन्न बीमारियां बढ़रही हैं। ज्यादातर खांसी, जुकाम और हृदय रोग से पीड़ित हैं। अस्पताल में भीड़ बढ़ने से मरीजों को डाक्टर तक पहुंचने में इंतजार करना पड़ता है। लग रहा है मौसम से इंफेक्शन के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार इस बार मौसम का उतार-चढ़ाव सेहत पर भारी पढ़ रहा है।

बड़े रिया मैट्रो प्राइम हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ शैलेन्द्र राजपूत ने बताया कि मौसम में जब बदलाव आता है तो वायरल के मरीज बढ़ने लगते हैं। लोगों को सर्दी ,खांसी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। समय रहते जांच कराकर चिकित्सकों की सलाह पर दवाएं लें।

जबलपुर में कोविड के 910 मरीज मिल

जबलपुर में तीसरी लहर में सबसे अधिक 910 केस 23 जनवरी को सामने आए। एक बुजुर्ग ने कोविड के चलते दम तोड़ा। बुजुर्ग गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। जिले में एक्टिव केस की संख्या 4 हजार 717 पहुंच गई है। इससे पहले एक दिन में सबसे अधिक संक्रमित दूसरी लहर में अप्रैल में 946 संक्रमित मिले थे। प्रशासन द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक 23 जनवरी को 5 हजार 213 सैम्पल की रिपोर्ट प्राप्त हुई।

महान देशभक्त को किया याद, दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। कमला नेहरू नगर गढ़ा रोड व्यापारी संघ के नेतृत्व में कार्यालय पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मजयंती पर महापुरुष का स्मरण किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ भारत मां एवं नेताजी के शैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।अध्यक्ष धनंजय वाजपेई ने नेताजी के आदर्श वाक्य तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा के महत्व को तात्कालिक परिस्थितियों में प्रेरणा प्रद बताया। शशांक बर्मन ने बताया देश के लिए नेताजी का व्यक्तित्व और कृतित्व प्रेरणादाई था है और आगे भी रहेगा। उपस्थित जनसमूह ने कहा कि आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी के देशप्रेम को देखकर हृदय वात्सल्य से भर जाता है। अवसर पर अध्यक्ष धनंजय वाजपेई ,शशांक वर्मन, चमनलाल चढार, प्रकाश चंद्र साहू, सौरव पंडा, पवन गुप्ता,विकास सेन, रोहित, संदीप, संजय झारिया,कक्कू नामदेव ,ओमप्रकाश महावर , गजेन्द्र सेन,सौरभ पटेल आदि मौजूद थे।

बुजुर्गो की बेहतर सेवा का माध्यम है सीजीएचएस

जबलपुर यशभारत।सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन आधारताल मे संपन्न हुआ।इस मौके पर मुख्य अतिथि केंट विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि लाभार्थी सदस्य विशेष रूप से बुजुर्गो के इलाज सेवा का बेहतर माध्यम सीजीएचएस है।समय समय पर संगठन इसको बेहतर बनाने के लिए अपने अमूल्य सुझाव देते आ रहे हैं।मुझसे इसके लिए जो भी मदद की जरूरत है उसके लिए सदैव तत्पर हूं।इसके साथ सीजीएचएस डिस्पेंसरियों के प्रभारी डा.व्ही के झारिया डा.स्नेहांशु रंजन डा.पंकज पाटिल विजन जबलपुर के राजेंद्र सिंह और सिविल लाइन सांई मंदिर के मृगेंद्र नारायण सिंह विशिष्ट अतिथियों ने भी शुभकामनाएं दीं। संयोजक सुभाष चंद्रा ने बताया कि सम्मेलन में सीजीएचएस लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी देने के साथ उनकी अन्य परेशानियों पर चर्चा कर रणनीति पर विचार किया गया। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर गठित सीजीएचएस लाभार्थियों के नये संगठन के संबंध में उपस्थित सदस्यों को जानकारी दी गई। इस अवसर पर सी डब्ल्यू ए के अध्यक्ष सुभाष चन्द्रा को राष्ट्रीय स्तर पर गठित सी बी डब्ल्यू ए आई का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने जाने पर वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ कंचनपुर के साथ विधायक अशोक रोहाणी कुंवर सिंह एवं यू के पांडे आदि ने शाल फूल मालाओं से स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि सी.जी.एसएस के लाभार्थियों के लिए गठित राष्ट्रीय संस्था मे नगर के बी.एन कमलाकर को भी राष्ट्रीय कार्यकारणी में शामिल किये जाने किये जाने उन्हें भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में कुंवर सिंह प्रदीप गर्ग पी के मलहोत्रा एस के मिश्रा एस के वर्मा सिटीजन सरदार सोनी राकेश सक्सेना टी के बोस बी आर माधनकर एस के राजोरिया ए के सिंह अरविंद पटेल और आरएस गुप्ता आदि का सहयोग रहा।

श्री चंद्रा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुने जाने पर किया स्वागत

फिर कड़ाके की ठंड शुरू

जबलपुर। सर्द हवाओं के कारण फिर कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। सुबह छाई धुंध अब साफ हो रही है। सूर्यदेव भी निकल गए हैं जिससे लोग राहत महसूस कर रहे है। पश्चिम विक्षोभ के बढ़ते असर से शनिवार रात हुई का असर रविवार को दिखा। सुबह से घने कोहरे की चादर छाने से मौसम में ठंड का अहसास बना रहा। वहीं सोमवार की सुबह भी ठंडी रही। बादलों के चलते रात का तापमान करीब तीन डिग्री कम हो गया, जिससे कड़ाके की ठंड से राहत रही। सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिसे अधिक 12.6 रहा। सुबह की आद्रता 91 प्रतिशत रही । हालांकि इस दौरान चार किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलती रहीं।

आधा सत्र बीत गया वर्क्स कमेटी चुनाव नहीं

सी क्यू ए प्रशासन द्वारा मुख्यालय और आर एल सी के आदेश की अवहेलना

जबलपुर यशभारत।जीसीएफ के उत्पादन को मानक रुप से परीक्षण के लिए स्थापित संस्थान नियंत्रक गुणवत्ता आश्वासन इकाई मे भी फैक्ट्री एक्ट में उल्लेखित औद्योगिक विवाद अधिनियम1948के अधीन प्रति दो वर्ष में चुनाव करवाना अनिवार्य है।लेकिन मुख्यालय के निर्देश और वर्कर्स यूनियन द्वारा क्षेत्रीय श्रमायुक्त के.सम्मुख अपील के बाद क्षेत्रीय श्रमायुक्त के निर्देश की अवहेलना करते हुए सी क्यू ए प्रशासन चुनाव नहीं करा रहा है।शायद उन नियमों से अनभिज्ञ है कि नियोक्ता द्वारा चुनाव न कराया जाना अपराध की श्रेणी में आता है और दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान भी है।

विगत14जनवरी को संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की ओर से जारी आदेश मे कहा गया कोरोना संक्रमण के कारण चुनाव कराना संभव नहीं है।

जबकि मुख्यालय की ओर से29अक्टूबर को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि यदि28अक्टूबर के तक निर्धारित संख्या के अनुसार वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी इस संबंध में निर्णय लेते हुए नियमानुसार कार्यवाही करें।इसी तरह क्षेत्रीय श्रमायुक्त ने कार्यसमिति सदस्य और जे सी एम सदस्य अशोक कुमार देव की शिकायत का हवाला देते हुए सी आई डब्ल्यू के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं।इसके बाद भी चुनाव नहीं कराये जा रहे हैं।

सवाल यह है कि वर्क्स कमेटी का कार्यकाल समाप्त होते हुए भी चुनाव क्यों नहीं कराये गए।जबकि एक वर्ष से उत्पादन से लेकर सभी गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रही।अक्टूबर2021को मुख्यालय और23 जुलाई को आर एल सी यानि क्षेत्रीय श्रमायुक्त ने वर्क्स कमेटी चुनाव के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

रोटेशन प्रक्रिया से शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति ने कोरोना की तीसरी लहर के खतरे को गंभीरता से लेकर रोटेशन प्रक्रिया से शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने पर बल दिया है।जिला अध्यक्ष राबर्ट मार्टिन ने बताया कि शिक्षकों को शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ बुलाया जाता है। इससे शिक्षकों के संक्रमित होने का खतरा है। वे अपने परिवार के साथ ही स्कूलों के दूसरे शिक्षकों को भी संक्रमित कर सकते हैं। यदि मोहल्ला क्लासों में पढ़ाने जाएंगे तो बच्चे भी संक्रमित हो सकते हैं या बच्चों के परिवार के माध्यम से शिक्षक भी संक्रमित हो सकते हैं, जिसका दुष्परिणाम सामने आ सकता है। अत: शिक्षकों को रोटेशन प्रक्रिया से या 50 प्रतिशत उपस्थिति से स्कूलों में बुलाया जाए।

जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी में पूर्णकालिक कुलपति की अविलंब नियुक्ति की मांग

जबलपुर, ।मध्य प्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी में पूर्णकालिक कुलपति की मांग तेज हो गई है। इसके अभाव में तमाम तरह की परेशानी हो रही है। पूर्व वित्त मंत्री व विधायक तरुण भनोत का आरोप है कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों से घिरी मेडिकल यूनिवर्सिटी, जबलपुर में पूर्णकालिक कुलपति नियुक्त न किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े किसी व्यक्ति को अविलंब कुलपति नियुक्त करने का आग्रह किया है।

भनोत ने मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में बताया कि पिछले छह महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी अब तक जबलपुर स्थित मेडिकल यूर्निवसिटी में पूर्णकालिक कुलपति नियुक्त नहीं किया जा सका है। वर्तमान में जबलपुर

संभागायुक्त को अस्थायी रूप से कुलपति का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, किंतु संभागायुक्त के अधीन अनेकों अन्य प्रशासकीय कार्यों का दबाव रहता है। पत्र में आम जनमानस की ओर से आशंका व्यक्त करते हुए लिखा है कि भोपाल में पदस्थ प्रदेश के वरिष्ठतम प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार जबलपुर स्थित मुख्यालयों को जबलपुर से भोपाल शिफ्ट किए करने का षडयंत्र किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी जबलपुर स्थित कौशल विकास मुख्यालय, टीटीसी, पावर मैनेजमेंट कंपनी के रिवेन्यू डिपार्टमेंट, हाईकोर्ट के विखंडन सहित कई मुख्यालयों को जबलपुर से प्रदेश के अन्य शहरों में शिफ्ट करने का षडयंत्र किया जा चुका है। मेडिकल यूर्निवसिटी जबलपुर में भी लंबे समय से पूर्णकालिक कुलपति की नियुक्ति नहीं किया जाना भी स्थानीय जनमानस में इस यूर्निवसिटी को जबलपुर से छीने जाने के षडयंत्र के रूप में देखा जा रहा है। यदि सरकार ने उचित कदम न उठाया तो आंदोलन होगा। इस सम्बंध में संगठन लामबंद हो रहे हैं। शीघ्र रणनीति बना ली जाएगी। फिर बिगुल बजेगा।

स्वास्थ्य बीमा योजना का शीघ्र क्रियान्वयन की मांग की

जबलपुर, । मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री राज्य कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना के शीघ्र क्रियान्वयन पर बल दिया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के कर्मचारियों व पेंशनरों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना एक अप्रैल, 2020 से लागू करने की घोषणा की थी। योजना को मूर्त रूप देने के लिए वित्त विभाग द्वारा 19 फरवरी, 2020 को आदेश जारी किया गया था। जिससे प्रदेश के सभी कर्मचारियों

को आइएफएमआइ साफ्टवेयर में कर्मचारियों परिवार विवरण व नामांकित वितरण करने के निर्देश दिए गए थे। जिसे प्रदेश के लगभग सभी विभागों द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। प्रदेश के लाखों कर्मचारी इस योजना को लागू होने की आश लगाए बैठे हैं। कोविड के चलते उक्त योजना को शासन द्वारा ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। आज तक योजना के क्रियान्वयन नहीं होने से कर्मचारी व उनका परिवार आज भी अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पा रहा है और प्राईवेट चिकित्सालयों में इलाज अत्यधिक महंगा होने के कारण कर्मचारी गंभीर बीमारी की स्थिति में उचित इलाज नहीं मिलने से अकाल मृत्यु का शिकार हो रहे है।

कोरोना काल में अनाथ बच्चों को मदद करने में जबलपुर अव्वल

जबलपुर, । कोरोना काल के दौरान अपने माता और पिता को खो चुके बच्चों की मदद करने में जबलपुर अव्वल रहा है। जबलपुर ने इन बच्चों को आर्थिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें हरसंभव मदद की। दरअसल, प्रदेश शासन द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना को लागू करने में जबलपुर ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस योजना के माध्यम से जबलपुर में 85 बच्चों को आर्थिक और खाद्य सुरक्षा दी गई, जो पूरे प्रदेश के अन्य शहरों में सर्वाधिक है। छिंदवाड़ा ने दूसरा और देवास जिले ने तीसरा स्थान हासिल किया है।0जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास एमएल मेहरा ने बताया कि सीएम कोविड-19 बाल सेवा योजना में ऐसे बच्चे पात्र हैं, जिनकी आयु 21 वर्ष या उससे कम है। ऐसे बच्चों के माता-पिता की एक मार्च से 30 जून 2021 तक की अवधि के दौरान कोविड-19 से मृत्यु हो गई हो अथवा माता-पिता का निधन पूर्व में हो गया था तथा उनके वैध अभिभावक की कोविड-19 से मृत्यु हुई हो या माता-पिता में से किसी एक का पूर्व में निधन हो चुका है। दूसरे की मृत्यु कोविड-19 से मृत्यु हुई है। इस योजना में जिले में 85 बच्चों को चिन्हित किया गया है। इसमें इन बच्चों को प्रतिमाह पांच हजार रुपये की मासिक सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही इनके संरक्षक को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के जरिए हर माह राशन भी दिया जा रहा है। कक्षा पहली से स्नातक तक इन्हें निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की भी सुविधा दी गई है। इनमें 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पांच हजार रुपये की सहायता राशि उनके संरक्षक के साथ संयुक्त खाते में जमा कराई जा रही है।

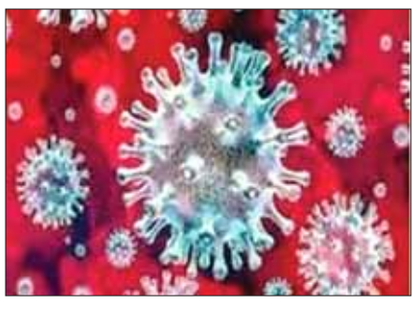

पूजन अर्चन करते आशीष शुक्ला व डॉ रश्मि शुक्ला, सुंदरकांड की प्रस्तुति देते संस्था के सदस्य

यशभारत में गूंजे दोहा-चौपाई

जबलपुर, यशभारत। श्रीमती माया शुक्ला की दसवीं पुण्यतिथि पर शताब्दिपुरम स्थित यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला के निवास स्थान अरुणोदय में गत दिवस संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन श्री सीताराम भजन कीर्तन संस्था के पं शिवकुमार मिश्रा, श्रीनिवास पटेल, गिरजा प्रसाद कुशवाहा, संजू प्रसाद त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पूर्व आशीष शुक्ला और डॉ रश्मि शुक्ला और बेटी यशिका शुक्ला ने पूजन अर्चन किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान सौरभ बड़ेरिया, ठाकुर उदयभान सिंह, पर्व जायसवाल समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस दौरान भजन कीर्तन संस्था द्वारा की गयी दोहा चौपाई की सरस प्रस्तुति से वातावरण धर्ममय हो गया।

कौशल विकास संचालनालय में हुई नियुक्तियां

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि कौशल विकास संचालनालय मध्य प्रदेश कर्मचारी संघ जबलपुर तथा समस्त आईटीआई/समस्त संयुक्त संचालक क्षेत्रीय कार्यालय की ज्वलंत समस्याओं के निदान हेतु अपनी आवाज शासन/प्रशासन तक पहुंचाने के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए संभागीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार सेन, संरक्षक उमाशंकर तिवारी तथा सलाहकार रॉबर्ट मार्टिन की अनुशंसा पर प्रांताध्यक्ष श्री राम प्रसाद खनाल कौषल विकास संचालनालय जबलपुर द्वारा भोपाल संभाग के जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की गई। संघ ने बताया कि सर्वप्रथम अषोक कुमार सेवक, शासकीय आईटीआई होसंगाबाद तथा हरदा, राजकुमार जैन, डॉ अम्बेडकर शासकीय महिला आईटीआई जिला सिहोर तथा विदिषा श्रीमती नीता हल्दी शासकीय आईटीआई मंडीदीप जिला रायसेन को मनोनीत किया गया है।

पनागर में शातिर चोरों से 12 बाइक जप्त नकली चाबी लगाकर उड़ा लेते थे वाहन

जबलपुर यश भारत । वाहन चोरों के हौसले इन दिनों सातवें आसमान पर हैं। जिसकी बानगी थाना पनागर में उस वक्त देखने मिली जब दो संदिग्ध युवक एक बाइक को सस्ते में बेचने की बात कर रहे थे उसी दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों को धर दबोचा। जिनसे पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गए और 12 बाइक चोरी करने की बात कबूल कर ली। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है। जानकारी अनुसार पनागर पुलिस ने बताया कि 23 जनवरी 20 22 को सूचना प्राप्त हुई कि सूरज कुशवाहा, किशन कुशवाहा दोनो निवासी पनागर जो पूर्व मे मोटर साइकिल चोरी के प्रकरण मे कई थानो मे बंद हो चुके है जो एक मोटर सायकल बिना नंबर की लिये हुये है जिसके बेचने की बात कर रहे है मोटर सायकल बेचने की फिराक मे पडाव चौराहा मे मोटर सायकल के साथ में खडे है। जिसके बाद मुस्तैद पुलिस ने सूचना पर हमराही स्टाप के साथ सूरज कुशवाहा, किशन कुशवाहा दोनो निवासी नागर को मोटर सायकल के साथ पकड़ा मोटर सायकल सूरज कुशवाहा आगे व पीछे किशत बैठा मिला जिनके कब्जे से मिली साईन बाइक बिना नंबर की होना पाया गया जब पुलिस ने बाइक के संबंध मे कागजात मांगे पर आरोपी कोई कागजात नहीं दिखा सके जिसके बाद पुलिस बस स्टैण्ड चौकी आए और पूछताछ करने पर बताया कि ये शाईन सिल्वर कलर बिना नंबर की रानीताल से चोरी की है सूरज कुशवाहा एवं किशन कुशवाहा से प्रथक प्रथक पूछताछ कर मेमोरेण्डम लेख किये गये। जो सूरज कुशवाहा एवं किशन कुशवाहा ने एक साथ मिलकर कुल 12 बाइक चोरी करने एवं आपस मे 7 मोटर साइकिल किशन कुशवाहा एवं 5 मोटर साइकिल सूरज के द्वारा बाँट लेने की बात बतायी जिसके बाद सूरज कुशवाहा की निशादेही पर बाइक जप्त कर कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

1. सूरज कुशवाहा पिता रघुबीर कुशवाहा उम्र 30 साल निवासी आजाद वार्ड दिलीप पटेल का मकान थाना पनागर (2) किशन कुशवाहा पिता लिख्खू कुशवाहा उम्र 26 साल निवासी विनोवाभावे वार्ड पनागर थाना पनागर जिला जबलपुर

श्रीमान पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सिद्धार्थ बहुगुणा (भा.पु.से.) द्वारा थाना क्षेत्र की चोरियो के खुलासे एवं चोरी गये मशरुका की बरामदगी हेतु अति. पुलिस अधीक्षक श्री संजय अग्रवाल, नगर पुलिस अधीक्षक प्रियंका करचाम द्वारा थाना प्रभारी पनागर श्री आर के सोनी निर्देशित किया गया था।

पुरानी रंजिश पर घोप दिया चाकू

जबलपुर यश भारत । गोहलपुर थाना अंतर्गत यादव कॉलोनी में दरमियानी रात पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी ने धारदार हथियार से युवक के गले और छाती में वार कर लहूलुहान कर दिया। आनन-फानन में शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तब कहीं जाकर आरोपी पीड़ित को छोड़कर मौके से भागा। पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया ह। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शरद पिता दुर्गा प्रसाद पटेल 36 वर्ष यादव कॉलोनी थाना लॉर्डगंज का निवासी है। आरोपी विष्णु कुशवाहा पुरानी रंजिश रखता है दरमियानी रात विष्णु ने प्राणघातक हमला करते हुए सड़क पर हथियार से दनादन वार कर दिए। पुलिस आरोपी को सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है।

एजीलिटी लैब की मोबाइल आरटी-पीसीआर जाँच प्रयोगशाला का इंस्टॉलेशन

जबलपुर – एजीलिटी लैब की मोबाइल आरटी-पीसीआर जाँच प्रयोगशाला का इंस्टॉलेशन आज जिला चिकित्सालय जबलपुर में किया गया । मोबाइल प्रयोगशाला एक दिन में 7000 आरटी-पीसीआर सैंपल की जांच करने में सक्षम है। एजीलीटी डायग्नोस्टिक द्वारा स्थापित कोविड-19 आरटी-पीसीआर मोबाइल परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से अब रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रदान की जायेगी । अब जबलपुर जिले में कोविड सैंपल की जाँच मेडिकल कॉलेज की वायरोलॉजी लैब के साथ-साथ इस मोबाइल परीक्षण प्रयोगशाला में भी की जायेगी .

पुलिस की सक्रियता से लुटने से बचा ट्रक चालक

जबलपुर, यशभारत। चरगवां पुलिस की सक्रियता की वजह से एक ट्रक चालक लुटने से बच गया। दरअसल सिवनी जिले के धूमा क्षेत्र में तीन दबंगों ने लोहे से लदे ट्रक को रोक लिया और चालक को उतारकर मारपीट शुरू कर दी। दबंगों द्वारा चालक से पैसों की मांग रखी गई लेकिन चालक ने पैसे देने से इंकार कर दिया। घटना की जानकारी जब चरगवां पुलिस को लगी तो थाना प्रभारी विनोद पाठक अपने दल के विनोद पटेल, अशोक यादव और एएसआई सेन के साथ मौके पर पहुंचे दबंगों को दबोचने का प्रयास किया जिसमें दो दबंग मौके से फरार हो गए जबकि एक को पुलिस ने दबोच लिया।

सीमा विवाद पर नहीं उलझी पुलिस

चरगवां थाना प्रभारी विनोद पाठक ने बताया कि जैसे ही जानकारी प्राप्त हुई उसी वक्त अपने दल के साथ मौके पर पहुंच गया। मौके जाकर पता चला कि जहां घटना हुई वह सिवनी जिले में आता है बाबजूद सक्रियता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर धूमा पुलिस को सौंपा गया।

एसपी ने की तारीफ

चरगवां पुलिस की सक्रियता की जानकारी जब पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा तक पहुंची तो उन्होंने थाना प्रभारी विनोद पाठक सहित अन्य स्टाफ की तारीफ करते हुए कहा कि इसी तरह से पुलिस अपना काम करती रहे तो निश्चित रूप से अपराधियों को खौफ पैदा होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा- इसी सत्र से होंगी आफलाइन परीक्षाएं

जबलपुर। हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है शिक्षा की गुणवत्ता स्तर को बरकरार रखना। हम बच्चों को केवल डिग्रियां ही नहीं बांटना चाहते। इसलिए हमारा प्रयास है कि अब किसी भी विश्वविद्यालय में आनलाइन परीक्षा न हों। यह कहना है प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव का। उच्च शिक्षा मंत्री ने यह बात रविवार को अपने जबलपुर प्रवास के दौरान कही।मोहन यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद युवा नौकरी की तलाश में जुट जाते हैं। पांच से सात प्रतिशत युवा ही सरकारी सेवाओं में जा पाते हैं, शेष 90 प्रतिशत से ज्यादा युवा निजी क्षेत्र में हाथ आजमाते हैं। निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाती है, इसलिए सरकार नई पीढी को डिग्रियां बांटने की बजाय उनकी योग्यता में गुणात्मक सुधार लाना चाहती है। इसलिए प्रदेश सरकार का प्रयास है कि मार्च में होने वाली महाविद्यालयीन परीक्षाओं में शामिल करीब 18 लाख परीक्षार्थी आफलाइन तरीके से शामिल हों। इसके लिए सभी अतिरिक्त संचालकों और विश्वविद्यालयों को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। जो परीक्षार्थी कोरोना की वजह से परीक्षाओं से वंचित रह गए थे- उनको एक मौका और दिया जा रहा है।

पीएससी से भरे जाएंगे सहायक प्रध्यापकों के और पद

मोहन यादव ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहायक प्राध्यापकों की कमी को भी चिंता का बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 65 प्रतिशत पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी है। शेष पदों के लिए मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से परीक्षा ली जाएगी। 2019 में चयनित सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा 2021 में पूर्ण हो चुकी है, लेकिन उनको अब तक नियमित नहीं किया जा सका है, इससे जुड़े सवाल पर उच्च शिक्षा मंत्री का कहना रहा कि सभी अतिरिक्त संचालकों को निर्देशित गया है कि वो परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर चुके सहायक प्राध्यापकों को नियमित करें। शासन का प्रयास है कि यह प्रक्रिया मार्च-अप्रैल तक पूर्ण हो जाए।

गांव की बिजली बंद, 500 परिवार पांच दिन से पानी को मोहताज

जबलपुर, । गांव में बिजली सप्लाई के हाल समझने हैं तो जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर के हाल देख ले। जबलपुर भोपाल राजमार्ग से लगा गांव बसेड़ी। जहां पांच दिन से लोग बिना बिजली को रहने मजबूर है। 500 परिवार बिजली नहीं होने से पानी की एक बूंद के लिए मोहताज है। बिजली सप्लाई शुरू करने के लिए ग्रामीण बिजली कर्मियों से लेकर अफसरों तक संपर्क साध रहे हैं लेकिन उन्हें सिर्फ दिलासा मिल रही है। बाद में जब आला अफसरों तक शिकातय हुई तो बिल बकाया का हवाला देकर लेटलतीफी को छुपाने का प्रयास किया।पाटन के बेलखेड़ा वितरण केंद्र के गांव बसेड़ी में तीन ट्रांसफार्मर लगे थे। सालभर पहले से एक ट्रांसफार्मर खराब हुई। उसके बाद दूसरा भी बिगड़ गया। दोनों का भार एक ट्रांसफार्मर में आ गया। एकलौते ट्रांसफार्मर ने भी पिछले दिनों आखिरी सांस ली। उस पर गांव की बिजली का सारा बोझ आ गया था। ऐसे में बिजली नहीं होने से ग्रामीणों ने सहायक अभियंता बेलखेड़ा को शिकातय दी। उनकी तरफ से ट्रांसफार्मर उठाकर ले गए लेकिन नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया। कहा गया कि प्रक्रिया में वक्त लगेगा।

इधर अफसर 24 घंटे के भीतर ट्रांसफार्मर बदलने का दावा करते हैं लेकिन कई दिन तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला। ग्रामीणों को अफसरों ने बताया कि गांव का बिल करीब 85 हजार रुपये बकाया है जिस वजह से ट्रांसफार्मर नहीं बदल सकते हैं। इस बात पर ग्रामीणों ने फौरन एकजुट होकर बकाया राशि को लाइनमेन के हाथ में सौप दी। इधर लाइनमेन ने बिजली बिल समय पर जमा नहीं किया। इधर अफसर बिल नहीं जमा होने का हवाला देकर ट्रांसफार्मर नहीं लगा रहे हैं। जबकि ग्रामीणों का दावा है कि उनके द्वारा बिजली विभाग के प्रतिनिधि को ही पैसा दिया है अब उसके द्वारा यदि वक्त पर राशि जमा नहीं करवाई है तो इसमें उनकी क्या गलती है।

ठाकुर विक्रांत सिंह को चुना गया ब्रांड एंबेसडर

शहपुरा (भिटोनी) * नगर परिषद शहपुरा ने साफ-सफाई और विकास कार्यों को गति देने हेतु कमर कस ली है । शहपुरा नगर परिषद क्षेत्र मैं स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के तहत शहपुरा के समाजसेवी मंडी पूर्व अध्यक्ष ठाकुर विक्रांत सिंह को ब्रांड एंबेसडर पर नियुक्त किया है इस बाबत नगर परिषद सीएमओ श्रीवास्तव ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर को स्वच्छ बनाने के लिए ब्रांड एंबेसडर ठाकुर विक्रांत सिंह के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा नगर को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों के सुझाव लिए जाएंगे साथ ही गंदगी फैलाने वालों पर अब कार्रवाई की जाएगी । ठाकुर विक्रांत ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है अब नगर परिषद के द्वारा मुझे ब्रांड एंबेसडर की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसके तहत में क्षेत्र में नगर में स्वच्छता से जुड़ी बातों का प्रचार प्रसार एवं समुदाय में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करता रहूंगा । नगर पंचायत में जिस उद्देश्य मुझे ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है उत्तर खरा उतरने का भरपूर प्रयास करूंगा ।

वर्षगांठ पर गायत्री शक्तिपीठ में अखंड जप

जबलपुर, । गायत्री शक्तिपीठ मनमोहन नगर में मां गायत्री, मां दुर्गा, एवं मां सरस्वती की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ भक्तों ने अखंड जप के साथ मनाई। रविवार को यहां सुबह 6 से शाम 6 बजे तक भक्तों ने मां गायत्री की साधना कर अखंड जप किया। परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने 40 वर्ष पूर्व इसे गायत्री शक्तिपीठ एवं जन जागृति के केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त प्रदान की थी। तभी से यह शक्तिपीठ जन जागृति के अनेक कार्य महाकोशल क्षेत्र में करते हुए पूरे विश्व की आदर्श शक्तिपीठों के लिए चुनी गई।उपजोन समन्वयक नरेश तिवारी ने बताया कि जिस प्रकार हरि अनंत हरि कथा अनंता है, उसी प्रकार पंडित श्रीराम शर्मा के कार्य अनंत थे। उन्होंने एक साथ अनेक कार्य करके 80 वर्ष में ही 800 वर्ष का कार्य करके युग निर्माण योजना का पूरा ढांचा तैयार कर गए। सीताराम त्रिपाठी ने गायत्री महामंत्र की महिमा बताई। सतीश वर्मा ने गायत्री शक्तिपीठ के विस्तार एवं भावी योजनाओं के बारे में अपने विचार रखे।

ग्वारीघाट में धम्मदेशना का कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर। पंचशील बुध्द विहार, जयभीम नगर ग्वारीघाट में धम्मदेशना का कार्यक्रम हुआ। धम्मदेशना के कार्यक्रम में त्रिपुरा से आये पूज्य भदन्त सम्मपत्रो जी का जबलपुर में आगमन हुआ। पूज्य भदन्त सम्मपत्रो ने तथागत गौतम बुध्द एवं बोधिसत्व डॉ बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर मोमबत्ती एवं अगरबत्ती प्रज्वलित की। और पुज्य भदन्त सम्मपत्रो जी ने तथागत गौतम बुध्द एवं बोधिसत्व डॉ बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। और कार्यक्रम के कार्यकर्ता आयुष्मान गंगाधर ढोकेकर जी ने तथागत गौतम बुध्द एवं बोधिसत्व डॉ बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यपर्ण किया। और पुज्य भदन्त सम्मपत्रो जी ने तथागत गौतम बुध्द एवं बोधिसत्व डॉ बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की वंदना की। और पुज्य भदन्त सम्मपत्रो जी ने उपासक एवं उपासिकाओं को धम्म देशना दी। तथागत का अर्थ है-जो जैसा बोलता है वैसा ही आचरण करता है। भगवान यह शब्द दो शब्दों के संयोग से बना हुआ है जैसे भगवा+वान । भग्र याने नाश करना और च्वानज्याने दुर्गुणो। जिसने अपने सभी दुर्गणों का सम्पूर्ण रूप से नाश कर दिया। च्अरहतज्का अर्थ है-जो अस्तित्व में नही है उस पर न कर के जो अस्तित्व में है उस पर विश्वास करता है वह। च्सम्मासमज् का अर्थ वह व्यक्ति परिपूर्ण है ऐसा वह सम्बुध्द है। जिस वज्रासन पर बैठकर और दृढतापूर्वक आरूढ़ होकर तथागत सम्यक सम्बुध्द ने मार सेना के सभी आक्रमण को विफल कर के सम्यक सम्बोधि तत्व का साक्षातकार किया उस परम बोधि चैत्य को मै नतमस्तक होकर वन्दना करता हूं। और पूज्य भदन्त सम्मपत्रो जी ने उपासक एवं उपासिकाओं को मंगल कामनाऐं दी।

भूमाफिया,सूदखोरों के विरुद्ध अभियान में हेल्पलाइन नंबर जारी

कलेक्टर ने कहा करें सहयोग

जबलपुर । जिले में भू-माफियाओं, मिलावटखोरों, ड्रग्स माफियाओं, गोकशी, सूदखोर माफियाओं, रेत माफिया, चिटफंड कम्पनी एवं महिला संबंधी अपराधियों सहित अन्य माफियाओं के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने सभी जिला वासियों से अपील की हैकि जिला प्रशासन की इस मुहिम में आम नागरिकों का सहयोग की आवश्यकता है आपके द्वारा दी गई जानकारी गोपनीय रखी जाएगी आप इन माफियाओं की जानकारी *कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम दूरभाष 0761-2623925 या केयर बाय कलेक्टर के व्हाट्सएप नंबर 7587970500 पर दे सकते है।

अनुसूचित जाति में शामिल करने रजक समाज का ज्ञापन

जबलपुर। रजक समाज जबलपुर के द्वारा सांसद राकेश सिंह को अनुसूचित जाति में सम्मिलित करने से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें यह मांग की गई है की भोपाल, सीहोर, रायसेन में रजक जाति अनुसूचित जाति में आती है तथा अन्य समस्त प्रदेश में व पिछड़े वर्ग में आती है अतः क्षेत्रीय बंधन को समाप्त करके पूरे प्रदेश में अनुसूचित जाति का दर्जा प्रदान किया जाए तत संबंध में श्री राकेश सिंह सांसद के द्वारा हमें आश्वासन दिया गया है कि वह इस मांग को पूरे जोर-शोर से लोकसभा में तथा शासन के समक्ष उठाएंगे इस ज्ञापन में रजक समाज के श्री आरडी रजक, केश लाल ,डॉ रमेश, भगवत , गोविंद ,नारायण , बलदेव पहलवान, संतोष ओंकार , भरत, राजू, कल्लू बाबा रजक तथा अन्य सैकड़ों सजातीय बंधुओं पर स्थित थे

औद्योगिक क्षेत्र को मिले बजट ताकि फले फूले उद्योग जगत

जबलपुर, जबलपुर सहित मध्यप्रदेश का औद्योगिक क्षेत्र बजट के अभाव में प्रगति नहीं कर पा रहे है। यदि औद्योगिक क्षेत्र की मूलभूत अधोसंरचना के लिए बजट बढ़ाया जाए तो औद्योगिक क्षेत्र में अपेक्षाकृत सुधार तो होगा है उद्योग जगत भी फलने-फूलने लगेगा। ये मांग प्रदेष की शीर्ष औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्था फेडरेशन आफ मध्यप्रदेश चेंबर्स आफ एंड इंडस्ट्री मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डा. राधाशरण गोस्वामी के नेतृत्व में फेडरेशन पदाधिकारियों ने मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष सचिन चतुर्वेदी से मुलाकात कर की है। इस संबंध में समग्र औद्योगिक एवं आर्थिक विकास हेतु मांग पत्र भी सौंपा गया।फेडरेशन के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने बताया कि राज्य नीति एवं योजना आयोग का कार्य विभिन्न जन हितेषी योजनाओं को बनाना एवं नीति निर्धारण तय करना है। फेडरेशन ने प्रदेश के उद्योगपतियों की मांग पर आयोग को विभिन्न मांगें सौंपी है। जिससे प्रदेश का समग्र औद्योगिक एवं आर्थिक विकास हो सके। ये उम्मीद जताई जा रही है कि आयोग के उपाध्यक्ष से हुई सार्थक चर्चा से आशानुरूप परिणाम आएंगे।

मध्यप्रदेश राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष से मुलाकात कर फेडरेशन के अध्यक्ष ने कहा कि राज्य शासन का ध्यान नए निवेश के साथ-साथ वर्तमान में संचालित उद्योगों पर होना चाहिए। वर्तमान में मध्यप्रदेश में लगभग 10 प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। उनमें लगभग नौ हजार 300 उद्योग उत्पादन कार्य कर रहें हैं। इन क्षेत्रों पर शासन द्वारा कम से कम सौ-सौ करो? रुपये प्रति क्षेत्र के हिसाब से खर्च कर विकसित किया जाना आवश्यक है। तभी उत्पादक उन इकाइयों को सुचारु रूप से संचालित करके अपने उत्पादन में वृद्धि कर सकेंगे।

एसबीआई में सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

जबलपुर। भारतीय स्टेट बैंक आंचलिक कार्यालय जबलपुर में 17 से 21 जनवरी तक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सप्ताह की शुरूआत सुरक्षा कर्मियों ने सुरक्षा प्रतिज्ञा लेकर हुई। इस दौरान स्टेट बैंक के कर्मियों के लिए एसबीआई टाइम्स पर ऑनलाइन सुरक्षा जागरूकता प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। इस सुरक्षा सप्ताह के आयोजन का उद्देश्य बैंक की सुरक्षा के प्रति जागरूकता का भाव कर्मियों में पैदा करना था। सुरक्षा सप्ताह के समापन अवसर पर बैंक कर्मियों के लिए बैंक में स्थापित विभिन्न सुरक्षा उपकरण जैसे- सीसीटीवी, फायर अलार्म सिस्टम, ऑटो डायलर की प्रदर्शनी रखी गई।इसके माध्यम से कर्मियों को इन उपकरणों की जानकारी दी जा रही है। जिससे वे जरूरत पड़ने पर इन उपकरणों का इस्तेमाल कर सके। सभी कर्मी उत्साह दिखाते हुए इसमें शामिल हुए। सुरक्षा सप्ताह के समापन पर डीजीएम विमल किशोर ने इस प्रदर्शनी की प्रशंसा की।

गुरु भक्तों ने मनाया समर्थ अवतरण दिवस

जबलपुर। माँ नर्मदा व गौमाता के संरक्षण के लिये 463 दिनों से अन्न आहार परित्याग कर सत्याग्रह कर रहे समर्थ सदुरु भैया जी सरकार के प्रगटोत्सव पर रेवांचल के साथ ही विभिन्न ग्राम,नगर,प्रान्त के अनेक स्थलों पर बड़ी संख्या में जन मानस सत्याग्रह संदेश देकर समर्थ सदगुरु के प्रति अपनी आस्था को प्रकट किया। जबलपुर में सिध्दघाट ग्वारीघाट तीर्थ क्षेत्र में प्रातः काल माँ नर्मदा तट पर कासेवकों ने कारसेवा , देव वृक्ष स्थापना ,पूजन , भजन, संकीर्तन ,रामधुन जाप, माँ नर्मदा महाआरती व महाप्रसादी का आयोजन किया गया इसके साथ ही रक्त दान शिविर में स्वयं समर्थ सदुरु ने स्वयं रक्तदान किया। ,समर्थ श्री हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर , समर्थ गौ चिकित्सा सेवा द्वारा निशुल्क साप्ताहिक रेबीज शिविर का आयोजन किया ।समर्थ सदगुरु भैयाजी सरकार अन्न आहार त्याग कर 17 अक्टूबर 2020 नवरात्रि के प्रथम दिवस से

सत्याग्रह कर दिन रात जन जागरण सम्पूर्ण नर्मदा पथ पर कर रहे। समर्थ सदुरु सम्पूर्ण नर्मदा पथ पर अखंड सत्य का आग्रह कर रहे हैं माँ नर्मदा पथ पर जन जागरण के लिए अखंड माँ नर्मदा सेवा यात्रा प्रारम्भ की जिसका तृतीय चरण 6 जनवरी को सिद्धघाट ग्वारीघाट से यात्रा प्रारंभ बरेला , मण्डला , अमरकंटक , डिंडोरी , लखनादौन , बरमान , होशंगाबाद ,खंडवा , ओम्कारेश्वर, खरगोन ,ब?वानी ,पानसेमल ,अंकलेश्वर ,विमलेश्वर , भरूच,च?ोद ,अलीलाजपुर ,महेश्वर, निमावर ,सलकनपुर , बरेली ,बरमान ,भेड़ाघाट होते हुए 23 जनवरी समर्थ अवतरण दिवस पर सिद्धघाट ग्वारीघाट पहुँचीं।

संपादकीय

अप्रत्याशित ठंड से महामारी को विस्तार

देश के जिन हिस्सों में लोहड़ी मनायी जाती है, वहां आम धारणा रही है कि ठंड चली गई है, घर के वृद्ध-बुजुर्ग सुरक्षित रहें, इस खुशी को अग्नि-उत्सव के रूप में मना जाड़े का भय दूर करें। कमोबेश उत्तर भारत में भी यही मान्यता है कि मकर संक्रान्ति पर सूर्य के उत्तरायण होने से सर्दी की विदाई शुरू हो जाती है। लेकिन इस बार तो ठंड लौट-लौटकर आ रही है। पहाड़ बर्फ से लदे हैं तो मैदानों में बारिश ठिठुरन बढ़ा रही है। जगह-जगह बर्फबारी के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। कहीं लगातार रिकॉर्ड बारिश हो रही है तो कहीं ओले गिर रहे हैं। मुश्किलों में भी प्रहसन तलाशने वाले कुछ लोग कह रहे हैं कि कहीं सूर्यदेव 2021 में तो नहीं रह गये? क्या वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं? बहरहाल, मौसम विज्ञानी बता रहे हैं कि सर्दी की तल्खी की वजह पाकिस्तान के ऊपर सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है जो भारत में बारिश, कोहरा व बर्फबारी बढ़ा रहा है। जो हफ्ते-हफ्ते सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो रहे हैं, उसकी वजह जनवरी में कई बार होने वाला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस ही है। बताते हैं कि संभवत~24 जनवरी के बाद सूर्यदेव नजर आयेंगे। भले ही सेबों के लिये बर्फबारी मुफीद हो, खेतों के लिये बारिश लाभदायक हो, लेकिन आम आदमी के लिये तो ठिठुरन मुश्किलों भरी है। खासकर समाज के अंतिम व्यक्ति के लिये यह कष्टदायक है। वह भी जब देश महामारी की तीसरी लहर से दो-चार है।

दरअसल, ठंड से तो जनजीवन अस्त-व्यस्त है ही, लेकिन सबसे बड़ा संकट कोविड-19 के संक्रमण का है। हर कोई व्यक्ति मौसम की तल्खी से भयाक्रांत है। वजह यह कि देश में पहले से ही मौसमी बीमारी लाने वाले कई तरह के फ्लू घर बनाये हुए हैं। मौसमी बदलाव की तीव्रता से हर साल होने वाली सर्दी-खांसी-जुकाम-बुखार आम बात है। लेकिन कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर में यह स्थिति डरा रही है। एक आम आदमी के लिये यह तय कर पाना मुश्किल है कि यह सामान्य फ्लू है या नया वेरिएंट ओमीक्रोन है। यह अच्छी बात है कि इस लहर में अस्पताल में भर्ती होने व ऑक्सीजन चढ़ाने के मामले घटे हैं, लेकिन दूसरी लहर की भयावह तस्वीरें हर किसी को विचलित करती हैं। ऐसे में मौसम की तीव्रता शारीरिक व मानसिक कष्ट बढ़ा रही है। कोरोना की जांच की होम टेस्टिंग सुविधा बाजार में उपलब्ध होने की वजह से बड़ी संख्या में लोग घरों में जांच कर रहे हैं। लेकिन यह जांच कितनी प्रामाणिक है और कितनी सावधानी से की जा रही है, कहना कठिन है। वहीं ठंड की अधिकता में होने वाली ऊंच-नीच मानसिक दबाव तो बनाती ही है, कहीं ओमीक्रोन ने घर तो नहीं देख लिया। देश में ऐसे लोगों की भी संख्या बहुत बड़ी है जो संक्रमित तो हैं लेकिन खुद को सामान्य खांसी-जुकाम से पीड़ित मानकर सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। अभी ठीक-ठीक कह पाना संभव भी नहीं है कि ठंड की तल्खी से कब तक पूरी तरह राहत मिल पायेगी।

लोकतंत्र में सत्ता त्याग और सेवा का दुर्गम-पथ है

पश्चिमी देशों की तथाकथित आधुनिकता ने बीसवीं शताब्दी में सारे विश्व को दूर तक प्रभावित किया और समाज की शासन-व्यवस्था के लिए राजतंत्र के स्थान पर लोकतंत्र का नया विचार दिया। यद्यपि भारत सहित अनेक देशों में गणतांत्रिक व्यवस्था प्राचीन एवं मध्यकालीन राज्यों में भी सफलतापूर्वक संचालित होती रही है, महाराष्ट्र में अष्टप्रधान का व्यवस्थापन इसी जनतांत्रिक शक्ति का भिन्न स्वरूप प्रकट करता है किंतु संपूर्ण देश में निर्वाचन के माध्यम से राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना और संपूर्ण राष्ट्र की व्यापक व्यवस्था का नया लोकतांत्रिक स्वरूप निश्चय ही पश्चिम के आधुनिक चिंतन की देन है। ब्रिटिश दासता का शिकार रहे विश्व के अनेक देशों ने उसके उपनिवेशवाद से मुक्ति पाने पर उसके द्वारा स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्वरूप को अपनी परिस्थितियों पर विचार किए बिना स्वीकार कर लिया। यूरोप के ठंडे देशों के लिए उपयुक्त कंबल भारतवर्ष की गर्म जलवायु में भी आधुनिकता के नाम पर ओ? लिया गया और आज पसीने से तरबतर हो कर भी हमारे नेतागण उसे उतारने तथा भारतीय जनहित के अनुरूप उसे नया स्वरूप देने, परिवर्तित-परिष्कृत करने के लिए उद्यत नहीं हैं क्योंकि विगत सात दशकों से स्थापित लोकतंत्र के इसी आवरण में उन्हें अपनी राजतंत्रीय सामंतवादी दुरभिलाषाओं की पूर्ति सुरक्षित दिखाई देती है।

वंशवाद, परिवारवाद और अपार भ्रष्टाचार करने के बाद भी राजनीति में सक्रिय रहना और पुनः सत्ता में आने का सपना साकार कर पाना इसी लोकतांत्रिक-व्यवस्था में संभव है, जहां विधायिका अपनी सुविधा के लिए कार्यपालिका पर दबाव बनाए रखती है और कभी-कभी न्यायपालिका का भी मनमाना उपयोग कर लेती है। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में आपातकाल के अठारह महीने इस क?वे सच के साक्षी हैं। आज का अनेक समूहों में बंटा, अशांत और परस्पर संघर्षरत भारत लोकतंत्र के खोल में पल रही सामंतवादी दूषित मानसिकता का ही दुष्परिणाम है।

लोकतंत्र निश्चय ही समाज के लिए अत्यंत उत्तम व्यवस्था है। यह राजतंत्र और सामंतवाद के अनेक दोषों से स्वतः मुक्त है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को विकास का अधिकतम अवसर देने का शुभ प्रयत्न है किंतु इस व्यवस्था का क्रियान्वयन गंभीर आत्मानुशासन की अपेक्षा करता है। यह आत्मानुशासन लोकतंत्र के दोनों घटक– नेता और जनता– दोनों के स्तर पर अनिवार्य है। इसके अभाव में लोकतांत्रिक-व्यवस्था किस प्रकार भ्रष्ट होकर अपना अर्थ खोने लगती है इसके भयावह साक्ष्य आज पग-पग पर दिखाई देते हैं। कहीं एक दल दूसरे दल पर बिना प्रमाण के कीच? उछालता रहता है तो कहीं सत्ता में बैठे लोगों के इशारे पर अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के रास्ते रोके जा रहे हैं। जन-आंदोलनों और प्रदर्शनों के नाम पर अराजकता, उद्दंडता और राष्ट्रध्वज के असम्मान का जो दुखद दृश्य पिछले वर्ष गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर दिल्ली में लाल किले पर दिखाई दिया। वह अभी दूर की बात नहीं। राजनीतिक दलों के हाथों की कठपुतली बने तथाकथित आंदोलनकारी समूहों की हिंसक उग्रता और निर्दोष-निहत्थे आंदोलनकारियों पर शासन में बैठे लोगों के इशारे पर पुलिस प्रशासन की क्रूरता– दोनों ही लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

लोकतंत्र जनता की सेवा का स्वचयनित पथ है किंतु जब इस पथ का पथिक जनहित की व्यापक साधना छो?कर उसे अपनी महत्वाकांक्षाओं और दुरभिलाषाओं के लिए व्यावसायिक रूप देने लगता है तब लोकतंत्र के अमृत को विष में बदलते देर नहीं लगती। दुर्भाग्य से भारतीय नेतृत्व स्वाधीनता प्राप्ति के समय से ही देशहित पर दलीय हितों और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को वरीयता देता रहा है। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल ने स्वयं को निरंतर सत्ता में बनाए रखने के लिए जनता को वोट बैंक में बांटने की जो कुटिल चाल चली उसने अन्य दलों को भी इतना अधिक आकर्षित किया कि आज सारा देश धर्म, जाति, वर्ग, भाषा आदि समूहों में ही नहीं अपितु राजनीतिक दलों के संकीर्ण शिविरों में भी बंट कर रह गया है। राजनीतिक दल निर्वाचन के समय निर्वाचन क्षेत्रों के धर्म-जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखकर टिकट बांटते हैं और जनता प्रत्याशी की योग्यता, क्षमता, सेवा-भावना आदि अनिवार्य विशेषताओं की अनदेखी करके जाति और धर्म को देखकर मतदान करती है। यहां तक कि प्रायः अपराधियों को भी निर्वाचित करके सत्ता में बिठा देती है। उत्तर प्रदेश के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने तो हाल ही में संपन्न होने जा रहे विधानसभा चुनावों में विजयी होने पर जातिगत जनगणना कराने का वायदा तक किया है। लोकतंत्र के नाम पर विकसित इस जातितंत्र द्वारा निर्वाचित नेता भी अपने जातिगत वोट बैंक की संतुष्टि और पुष्टि को समर्पित होकर रह जाते हैं। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि का जाति अथवा वर्ग प्रतिनिधि बन कर रह जाना नितांत दुर्भाग्यपूर्ण है।

आज हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पंचवर्षीय योजनाओं की तरह सत्ता का सामाजिक अनुष्ठान बनकर रह गई है, जिसमें पाँच वर्ष तक सत्ता के साथ रहकर सत्तासुख भोगने के उपरांत व्यक्तिगत लाभ-लोभ की सिद्धि के लिए निर्वाचन से पूर्व अन्य दलों में जाने की खुली छूट नेताओं को प्राप्त है। न कोई आदर्श, न कोई सिद्धांत और न ही कोई सामाजिक उत्तरदायित्व ! जब जहाँ व्यक्तिगत लाभ दिखाई दे तब वहां फिट हो जाना और फिर नए दल के साथ सत्तासुख भोगना किसी नेता के लिए व्यक्तिगत लाभ का सौदा हो सकता है किंतु ऐसी स्वार्थी मानसिकता जनता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में नहीं कही जा सकती। यदि एक दल छोड़कर दूसरे दल में आने वाले नेता के लिए और उसके परिवार के लिए आगामी दस वर्ष तक नए दल का साधारण सदस्य बनकर केवल सेवाकार्य करने की कोई अनिवार्यता नवीन संवैधानिक संशोधन द्वारा अस्तित्व में लाई जाए तो दलबदल की इस दुर्नीति से मुक्ति संभव है।

लोकतंत्र में निर्वाचित नेता संपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र की जनता का प्रतिनिधि होता है, होना चाहिए, किंतु हमारे अधिकांश जनप्रतिनिधि निर्वाचित होने के उपरांत अपने दल के समर्थकों और धर्म-जातिगत समूहों की सीमित स्वार्थपूर्ति के साधन बनकर रह जाते हैं। विभिन्न समूहों, जातियों और वर्गों की यह संकीर्णता जनहित की समग्रता का पथ बाधित करती है। आज राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर कितने ही राजनीतिक दलों के नेताओं की छवि उनके जाति-वर्ग से चिपक कर रह गई है। प्रश्न यह उठता है कि ये अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्त जनता के नेता हैं अथवा अपनी जाति और दल के ? यदि ये केवल अपने जाति, धर्म, क्षेत्र अथवा वर्ग विशेष के हितों के लिए ही आवाज उठाते हैं तो इनका राष्ट्रीय अथवा राज्य स्तरीय राजनीति में क्या महत्व है ? देश का संविधान अनेकता में एकता का शंखनाद करता हुआ जनकल्याण की व्यापक समग्रता के लिए नेतृत्व का आवाहन करता है, उसे शपथ दिलाता है किंतु वही नेतृत्व जब अपने प्रांत के लिए विशेष दर्जा मांगने लगता है, अपनी जाति या वर्ग के लिए विशेष सुविधा-साधन प्राप्त करने के लिए अ? जाता है तब उससे जनता के अन्य वर्गों-समूहों के कल्याण की आशा समाप्त हो जाती है, सामाजिक न्याय का स्वप्न पीछे छूट जाता है और वर्ग के हित आगे आ जाते हैं। क्या भारतीय लोकतंत्र में ऐसी वर्गीय-जातीय संकीर्णता के लिए कोई स्थान है ? यदि नहीं, तो जनता को समग्रता में न देखने वाले ऐसे नेताओं के लिए हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्थान क्यों है ? उन्हें सत्ता में आने के लिए विशेष वर्गों से लोकलुभावन वादे करने और सत्ता में बैठकर उन समूहों को विशेष सुविधाएं देने तथा निशुल्क उपहार बांटने के असीमित अधिकार क्यों है ? जब नेता संपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र की जनता का प्रतिनिधि है तो उस क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक वर्ग समूह को समान सुविधा और सुरक्षा प्रदान करना उसका नैतिक दायित्व है। नेतृत्व में उदारता के स्थान पर ऐसी संकीर्णता और सीमितता निश्चय ही लोकतांत्रिक मूल्यों की खुली अवमानना है। हमारे देश में सक्रिय राजनीतिक दलों में प्रारंभ से ही आंतरिक लोकतंत्र का अभाव रहा है। स्वतंत्रता से पूर्व के राजनीतिक परिदृश्य में सुभाषचंद्र बोस और सरदार बल्लभभाई पटेल के संदर्भ में कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने जो व्यवहार किया वह सर्वविदित है। उस समय की कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा बहुमत से लिए गए निर्णय का महात्मा गांधी द्वारा प्रभावित और परिवर्तित कर दिया जाना दल की दुर्बल लोकतांत्रिक स्थिति स्पष्ट करता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गठित अन्य दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र की झलक तक नहीं मिलती। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और वंशवाद के मोह ने अधिकांश राजनीतिक दलों का आंतरिक लोकतंत्र निगल लिया है। प्रायः प्रत्येक दल में शक्ति एक-दो व्यक्तियों के हाथों में केंद्रित दिखाई देती है। दल के सदस्यों को अपनी बात रखने तक की छूट नहीं मिलती। राजनीतिक दलों में टूट-फूट का यह भी एक ब?ा कारण है। इन अलोकतांत्रिक स्थितियों में यह विचारणीय हो जाता है कि जो शीर्ष नेतृत्व अपने दल के सीमित स्तर पर लोकतांत्रिक-व्यवस्था का सफल क्रियान्वयन नहीं कर सकते उनसे इतने विशाल देश की बहुरंगी परिस्थितियों में लोकतांत्रिक मूल्यों के सार्थक निर्वाह की अपेक्षा कैसे की जा सकती है ?

सत्ता में बैठकर अपने समर्थकों को महत्वपूर्ण पदों पर बिठाना, जनता की गा?ी कमाई से उन्हें लाखों रुपए के पुरस्कार देना, अपराधी और भ्रष्टाचारी होने पर भी उनके विरुद्ध न्यायिक-प्रक्रिया को टालना लोकतंत्र के वटवृक्ष की ज?ें खोखली करना है। आजादी के अरुणोदय काल में देश की राजनीति ने सत्ता में सतत बने रहने के लिए जो बबूल बोए थे वे ही ब?े होकर अब लोकतंत्र की देह को बुरी तरह लहूलुहान कर रहे हैं। जब तक राजनीति के राजपथ से अपराध के कांटे-कंकर दूर नहीं होंगे तब तक लोकतांत्रिक मूल्यों की जनहित यात्रा निरापद नहीं हो सकती।

लोकतंत्र में सत्ता सामाजिक सुख-संवर्धन का सर्वाधिक प्रभावी माध्यम है, निजी भोग-विलास का संसाधन नहीं है, निजी पारिवारिक संपत्ति भी नहीं है, जिसे विरासत में अपने वंशजों को सौंप दिया जाए। लोकतांत्रिक सत्ता त्याग और सेवा का वह दुर्गम-पथ है जिस पर उदार भाव से सारे समाज की कल्याण-कल्पना लेकर हमारे नेताओं को राजनीति में उतरना होगा, उन्हें समस्त निजी हितों को तिलांजलि देकर सारे समाज की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए स्वयं को निस्वार्थ भाव से समर्पित करना होगा तथा जनता को अपने बीच से ऐसे समर्थ नेतृत्व को तलाशना और चुनना होगा तब ही हमारे लोकतंत्र को सार्थकता मिल सकती है। अन्यथा सीटों के जटिल गणित में उलझी अपराधी और स्वार्थी नेताओं से घिरी वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था हमें असहिष्णुता, अराजकता तथा आंतरिक हिंसक-संघर्ष के गर्त में धकेल देगी। समय रहते अपने लोकतंत्र में सुधार कर उसे सही दिशा देना हमारा दायित्व है और इसी दायित्व की पूर्ति में व्यापक देशहित भी सन्निहित है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यक्ति से दल ब?ा है और दल से देश ब?ा है– यह तथ्य नेताओं को भी समझना होगा तथा जनता को भी। जब तक नेता और जनता दोनों इस सत्य को सच्चे मन से स्वीकार नहीं करते, तब तक हमारी लोकतांत्रिक यात्रा, सुरक्षित और सुखद नहीं हो सकती। यही समझ राजनेताओं की दलबदल और जनता की जातीय मानसिकता को नियंत्रित कर लोकतंत्र को रचनात्मक दिशा दे सकती है। सार्वजनिक जीवन में नेतृत्व की निष्पक्षता, आचरण की शुचिता तथा तप-त्याग पूर्ण मानसिकता युक्त उत्कट राष्ट्रीयता के साथ जनता की निर्लोभ जागरूकता ही अब हमारे लोकतंत्र के अमृत-कलश में घुल रहे विष को रोक सकते हैं। साथ ही जन-मन के उचित निर्देशन के लिए निष्पक्ष और निर्भय पत्रकारिता का सक्रिय सहयोग भी अपेक्षित है।

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

आपका राशिफल 25 जनवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

फिल्म वर्ग पहेली- 5718

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशीं' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरुख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जीव, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5717

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6222

***** कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6221 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

धर्म

हाथों की ऐसी लकीरों में छिपे होते हैं धनवान बनने के योग

[illegible]

विचार प्रवाह

एक व्यक्ति ने सोचा कि समुद्र में स्नान कर लूं तो सभी तीर्थों के स्नान का फल मिल जाएगा क्योंकि समुद्र में गंगा जमुना सब हैं। समुद्र के किनारे गया और बैठ गया। सुबह से शाम होने को आयी लेकिन वह अब भी बैठा है। किसी यात्री ने पूछा नहाने आये हो तो नहाते क्यों नहीं? वह बोला- मैं सोचता हूं कि लहरें उठना बंद हो जायें तो फिर नहाऊं। यात्री बोला समुद्र कभी शांत नहीं होगा। समुद्र में नहाना है तो लहरों का त्रास तो सहना ही पड़ेगा। जीवन में कठिनाइयां तो बनी ही रहेंगी। धर्म ध्यान करने के लिए उस दिन का इंतजार मत करो, जब सब कुछ ठीक ठाक चल रहा होगा, क्योंकि ऐसा दिन कभी आने वाला नहीं है।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7282

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दुलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शब्द-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधु-2
23. अच्छाई, सदाशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -7281 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शराब के नए ठेकों में टूटेगा ठेकेदारों का एकाधिकार

अब एक ही दुकान से बिक सकेगी देशी और विदेशी शराब, छोटे-छोटे 64 समूहों में होंगे 175 दुकानों के ठेके

इंदौर। शासन की नई आबकारी नीति के तहत शराब ठेकेदारों का एकाधिकार एक बार फिर टूटने जा रहा है। इंदौर में फिलहाल दो समूहों के बीच 175 शराब दुकानों का ठेका चल रहा है, लेकिन वर्ष 2022-23 के नए वित्तीय वर्ष के लिए छोटे-छोटे 64 समूहों के बीच ठेका दिया जाएगा। साथ ही अब देशी और विदेशी शराब की बिक्री एक ही दुकान से होगी। पहले देशी और विदेशी शराब अलग-अलग दुकानों से बिकती थी। इंदौर में नए वित्तीय वर्ष के लिए आरक्षित मूल्य 1350 करोड़ रुपये तय किया गया है। आरक्षित मूल्य से कम पर ठेके नहीं दिए जाएंगे। चालू वित्तीय वर्ष में इंदौर जिले की 175 शराब दुकानों के ठेके दो समूहों को ही दिए गए थे।

आरक्षित मूल्य 1350 करोड़ तय

इनमें महाकाल समूह और मां कस्तूरी समूह शामिल हैं। दोनों समूहों को 10 महीने के लिए यह ठेका 910 करोड़ रुपये में दिया गया था। दरअसल, वर्ष 2021 में अप्रैल और मई में कोरोना की दूसरी लहर चरम पर होने से लाकडाउन था। इस कारण वर्ष 2020-21 में जिन समूहों को ठेका दिया गया था, उन्हें ही नवीनीकरण के तहत वर्ष 2021-22 का ठेका

भी दिया गया। इसमें अप्रैल और मई 2021 के सख्त लाकडाउन के दो महीने छोड़कर जून 2021 से मार्च 2022 तक का ठेका दिया गया है। आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त राज नारायण सोनी ने बताया कि वर्ष 2019-20 में छोटे-छोटे समूहों के बीच ही ठेके हुए थे। नए वित्तीय वर्ष के लिए भी शासन ने उसी के आधार पर शराब दुकानों के टेंडर करने के निर्देश दिए हैं। नई नीति के तहत उसी अनुसार आनलाइन टेंडर किए जाएंगे। देशी शराब दुकानों पर 25 और विदेशी शराब की दुकानों पर 15 प्रतिशत राजस्व बढ़ाकर आरक्षित मूल्य तय करने के लिए कहा गया है। उसी का पालन किया जाएगा।

भोपाल। राजधानी के जेलबाग मैदान पर खेली जा रही आरसीसी लीग के कार्पोरेट ग्रुप में हमीदिया क्लब ने बाल भवन को 81 रनों से पराजित किया।

आरसीसी लीग में हमीदिया क्लब की बाल भवन पर आसान जीत

एक अन्य मुकाबले में आरसीसी जेल बाग ने एरिगेशन को 20 रनों से हराया स्थानीय ओल्ड कैंपियन मैदान पर खेले गए मुकाबले में 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 159 रन बनाए। इसमें यासिर खान ने 34 रन व दानीश रऊफ ने 33 रनो का योगदान दिया। बाल भवन के इस्लाम अजीज व मोहम्मद कासिम ने दो दो विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बाल भवन की टीम 78 रन पर सिमट गई। सोहेल खान ने 16 रनों की पारी खेली। हमीदिया क्लब के फिरदौस हसन व हरिस रऊफ ने तीन तीन विकेट लिए। फिरदौस हसन मैन आफ द मैच बने। दूसरे मुकाबले आरसीसी जेलबाग ने एरिकेशन को 20 रन से हराया। आयोजन सचिव जामरान जावेद ने यह जानकारी दी।

बैरागढ़ में भाजपा का बूथ विस्तारक अभियान तेज, कांग्रेस बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान शुरू करेगी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के बैरागढ़ मंडल ने वार्ड स्तर पर बूथ विस्तारक समितियों की बैठकें शुरू की हैं। प्रत्येक वार्ड में मंडल पदाधिकारियों के माध्यम से कार्यकर्ताओं का विस्तार किया जा रहा है। भाजपा के इस अभियान को देख कांग्रेस ने भी बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। बूथ विस्तारक अभियान के तहत वार्ड पांच की बैठक सिंधु समाज स्कूल के पास जगदीश आसवानी की अध्यक्षता में हुई। आसवानी ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि अपने-अपने बूथ पर सक्रिय होकर काम करें। नागरिकों से संपर्क कर उनकी समस्याओं के निराकरण का प्रयास करें। बैठक में विस क्षेत्र प्रभारी चंदूभाई इसरानी, मंडल अध्यक्ष कमल वीधानी, वार्ड प्रभारी सुमित आहूजा, शंकर मेंघानी, हर्षित दुबे एवं कैलाश ददलानी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। भाजपा की बूथ विस्तारक बैठक जोन क्षेत्र के वार्ड एक, दो, तीन एवं चार में भी हो रही है। बैठक के माध्यम से पार्टी सक्रिय युवाओं को जोड़ रही है।

कांग्रेस जल्द शुरू करेगी अभियान

कांग्रेस ने अब बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान शुरू करने की तैयारी की है। ब्लाक अध्यक्ष अशोक मारण के अनुसार सेक्टर स्तर पर प्रभारियों की बैठक के बाद बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इस बार कांग्रेस ने संत हिरदाराम नगर के गणमान्य नागरिकों को पार्टी का सदस्य बनाने की तैयारी की है। मारण के अनुसार नगर के कई व्यापारी एवं रहवासी हमारे संपर्क में हैं। मारण का कहना है कि बढ़ती महंगाई एवं समस्याओं का निराकरण न होने से जनता परेशान है। इसका फायदा कांग्रेस को मिलेगा। गांधीनगर में ब्लाक अध्यक्ष आनंद सबधानी की अगुआई में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

शापिंग कॉम्पलेक्स बनाने काट दिए पार्क में लगे एक दर्जन से ज्यादा पेड़

भोपाल। राजधानी के तुलसी नगर इलाके में नगर निगम अपना मुख्यालय भवन ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर बना रहा है। आयुक्त ने अफसरों को हिदायत दी है कि निर्माण के चलते एक भी पेड़ न कटने पाए। वहीं कोलार स्थित ओम नगर में शॉपिंग कॉम्पलेक्स बनाने को निगम ने एक दर्जन से ज्यादा हरे पेड़ों को काट दिया। शिवाजी पार्क की जमीन पर शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण के विरोध में स्थानीय रहवासी लामबंद हो गए। मामले ने तूल पकड़ा तो क्षेत्रीय विधायक मौके पर पहुंचे और काम रुकवा दिया। गौरतलब है कि निगम शहर शहर में अपनी खाली जमीनों और पुरानी इमारतों की जगह शॉपिंग कॉम्पलेक्स बनवा रहा है। वर्तमान में न्यू मार्केट, बैरागढ़, लक्ष्मी टॉकीज, बाल विहार, शाहजहांनाबाद पुरानी वर्कशॉप, आरिफ नगर और रातीबढ़ सहित एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण चल रहा है। इसी कड़ी में रविवार से कोलार स्थित ओम नगर में पार्क के लिए छोड़ी गई जगह पर शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण शुरू किया गया। इसके लिए एक दर्जन से ज्यादा हरे पेड़ों को काट दिया गया।

प्रबंधन के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर मुहिम

भोपाल। राजधानी में स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में पीएचडी शोधार्थियों की दस दिन से जारी हड़ताल भोपाल सांसद प्रज्ञासिंह ठाकुर के आश्वासन के बाद खत्म कर दी गई थी। सांसद ने शोधार्थियों से मिलकर उन्हें आश्वासन दिया था कि आपकी मांगें मानी जाएंगी, लेकिन अब तक मैनिट प्रशासन द्वारा आदेश जारी न किए जाने से शोधार्थी नाराज हैं और अब उन?होंने इंटरनेट मीडिया पर प्रबंधन के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। पीएचडी शोधार्थी मनोज दिवाकर का कहना है कि सांसद के हस्तक्षेप के कारण हमने अभी आंदोलन रोक दिया है, लेकिन यदि शीघ्रता से मैनिट प्रबंधन ने हमारी मांगों को पूरा नहीं किया तो आमरण अनशन करेंगे। तब तक नहीं उठेंगे, जब तक कि लिखित में हमारी समस्त मांगें मानकर आदेश पारित नहीं कर दिए जाते। उनका कहना है कि मैनिट प्रशासन ने सांसद को न बैठने के लिए कहा और न उनके साथ मर्यादित भाषा का उपयोग किया। सांसद जनता द्वारा चुनी गई जनप्रतिनिधि हैं।

...तो हम सभी विरोध प्रदर्शन करेंगे

उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार हम सब को अपमानित करने जैसा ही है। मैनिट प्रशासन इसके लिए लिखित में सांसद से माफी मांगे और यदि माफी नहीं मांगी गई तो हम सभी विरोध प्रदर्शन करेंगे। अपनी मांगों के लिए इंटरनेट मीडिया पर मुहिम चला रहे हैं। शोधार्थियों की मांग है कि जुलाई 2019 से पीएचडी शोधार्थी को दी जाने वाली गृह भत्ता की राशि को एक माह अक्टूबर के बाद नहीं दिया गया। जुलाई 2019 से ही उन्हें गृह भत्ता की राशि का एरियर दिया जाए। कोरोना काल के कारण विगत डेढ़ वर्ष तक पीएचडी शोधार्थी मैनिट कैंपस में नहीं आए थे, जिससे उनका रिसर्च कार्य नहीं हो पाया, लेकिन मैनिट प्रशासन ने हाल ही में एक सर्कुलर जारी कर पीएचडी शोधार्थी जिन्हें तीन वर्ष पूर्ण हो गए हैं, उनका स्टाइपेंड रोक दिया है। वहीं एससी/एसटी के पीएचडी शोधार्थी पर नियम विरुद्ध ट्यूशन फीस भरवाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। उनके रजिस्ट्रेशन फार्म जमा करने से मैनिट प्रशासन द्वारा मना किया जा रहा है।

पांच साल बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलेंगे मोबाइल

मोबाइल फोन से होगी पोषण अभियान की निगरानी

मोबाइल फोन पोषण अभियान की निगरानी के लिए दिए जा रहे हैं। सरकार पोषण ट्रेकर एप्लीकेशन (एप) के माध्यम से निगरानी करेगी। आंगनबाड़ी केंद्रों में दी जा रहीं सेवाओं की दैनिक जानकारी कार्यकर्ता एप में दर्ज करते हैं। जिससे विकासखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर प्रतिदिन निगरानी की जा सकती है।

नेट कनेक्टिविटी के लिए दो सौ रुपये

एप चलाने के लिए नेट कनेक्टिविटी की जरूरत है। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दो सौ रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। एप में निर्धारित मापदंड के अनुसार जानकारी दर्ज करने पर कार्यकर्ताओं को पांच सौ रुपये और सहायिका को 250 रुपये प्रोत्साहन स्वरूप दिए जाते हैं। ज्ञात हो कि प्रदेश में 97 हजार 135 आंगनबाड़ी केंद्र हैं।

69 हजार से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और दो हजार से ज्यादा पर्यवेक्षकों को मोबाइल फोन मिलेंगे

भोपाल। करीब छह साल के इंतजार के बाद प्रदेश के 69 हजार 316 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और दो हजार 429 पर्यवेक्षकों को मोबाइल फोन (स्मार्टफोन) मिलने जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिला स्तर पर मोबाइल फोन खरीद लिए हैं। जिनका वितरण सोमवार से शुरू हो रहा है। अपने गृह जिले सीहोर के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों को वर्चुअल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मोबाइल बांटेंगे। मोबाइल फोन पोषण अभियान की नियमित निगरानी के लिए दिया जा रहा है। कुपोषण की स्थिति से उबरने के लिए केंद्र सरकार पूरे देश में पोषण अभियान की निगरानी मोबाइल फोन से करा रही है। इसके लिए पोषण ट्रेकर एप्लीकेशन (एप) डिजाइन किया गया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को 10 हजार रुपये प्रति आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की दर से राशि दी थी। मध्य प्रदेश सरकार को यह राशि वर्ष 2016 में मिल गई थी और उसके बाद मोबाइल फोन खरीदने के चार प्रयास हुए, पर चारों बार नियमों के विरुद्ध चहेतों को मोबाइल फोन का आर्डर देने की शिकायतों के चलते निविदाएं निरस्त करना पड़ी। सरकार ने पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राशि देने के विकल्प पर काम किया। मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और विभाग के प्रमुख सचिव ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री को पत्र लिखकर इसकी अनुमति मांगी, पर इसके लिए नियमों में संशोधन करना होता। इसलिए जिला स्तर पर खरीद का निर्णय लिया गया। विभाग ने दिसंबर 2021 में मोबाइल फोन खरीदने की प्रक्रिया तय कर कलेक्टरों को 18 फरवरी 2022 तक सभी कार्यकर्ताओं को मोबाइल फोन देने के निर्देश दिए थे।

राज्यपाल भोपाल में करेंगे ध्वजारोहण

भोपाल। गणतंत्र दिवस पर बुधवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल भोपाल, विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम रीवा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर में ध्वजारोहण करेंगे। राज्य स्तरीय समारोह भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित किया जाएगा। इसमें नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह शामिल होंगे। गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों में कोरोना से बचाव के दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य किया गया है। राज्य और जिला स्तरीय कार्यक्रमों में परेड का आयोजन होगा। एनसीसी, स्काउट गाइट और शौर्यादल के सदस्य शामिल नहीं होंगे। वहीं, स्कूलों में आयोजित कार्यक्रमों में पहली से 10वीं तक के विद्यार्थियों को बुलाने पर रोक है। जहां मंत्री या राज्य मंत्री ध्वजारोहण नहीं करेंगे वहां कलेक्टर यह जिम्मेदारी निभाएंगे।

क्राइम ब्रांच अवैध शराब के दूसरे तस्कर के पीछे लगी, सीहोर तक पहुंची पुलिस

भोपाल। क्राइम ब्रांच की टीम ने तीन दिन पहले कार से लाई जा रही 90 हजार रुपये कीमत की अवैध देशी शराब जब्त की थी। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसका साथी मौके से भाग निकलने में कामयाब रहा। पुलिस उस तस्कर की तलाश करते-करते सीहोर के जंगल तक पहुंच गई, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आया। गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि दीवानगंज से सस्ती शराब लाकर भोपाल में ऊंचे दामों पर खपा रहे थे। पकड़ा गया आरोपी अशोका गार्डन इलाके का बदमाश बताया गया है। उसके खिलाफ पूर्व से दर्जनों अपराध दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक गुरुवार देर शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग सफेद रंग की कार में अवैध शराब लेकर दामखेड़ा के पास पहुंचने वाले हैं। सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम दामखेड़ा स्थित मित्तल शादी हाल के पास पहुंची। कुछ देर बाद ही बताए गए नंबर वाली कार आती दिखाई दी, जिसे पुलिस ने चैकिंग के लिए रोक लिया। इस दौरान पैसेंजर सीट पर बैठा युवक उतरकर भाग निकला, जबकि चालक को पुलिस ने पकड़ लिया।

एक हजार लोगों से सौ करोड़ की ठगी का आरोपित बिल्डर दिल्ली से गिरफ्तार

भोपाल । राजधानी की कोलार पुलिस ने एक हजार लोगों से करीब सौ करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी कर फरार हुए आरोपित बिल्डर सुमित खनेजा को रविवार को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपित को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। सोमवार को इस मामले में एक बार फिर सुनवाई होगी। कोलार थाना प्रभारी सीके पटेल के मुताबिक एसवीएस बिल्डकान प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक अमित खनेजा, सुमित खनेजा और सीईओ एसके अरोरा निवासी कम्युनिटी सेंटर ईस्ट आफ कैलाश नई दिल्ली ने वर्ष 2010 में चीचली कोलार के पास 23 एकड़ जमीन खरीदी थी। इस पर ग्रेट इंडिया पैलेस शापिंग माल एवं यूनिहोम्स नाम से प्रोजेक्ट लांच किया था। यूनिहोम्स भोपाल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष लव राजपाल ने बताया कि कंपनी ने इसमें दुकान, फ्लेट खरीदने वाले करीब एक हजार लोगों से बुकिंग कराकर करीब सौ करोड़ रुपये जमा करा लिए थे। आरोपितों ने पांच सौ अपार्टमेंट बनाने का झांसा दिया था। लोगों को दुकान और फ्लैट नहीं मिले तो पुलिस से शिकायत की। पुलिस एफआइआर दर्ज कर आरोपित की तलाश कर रही थी। आरोपित करीब आठ साल से काम बंद कर फरार हैं। आरोपितों पर दस-दस हजार का इनाम घोषित है। इनमें से फिलहाल सुमित खनेजा (57) की गिरफ्तारी दिल्ली से की गई है। कोलार पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। इस मामले में अभी दो आरोपितों अमित खनेजा और एसके अरोरा की गिरफ्तारी होना बाकी है। यह दोनों अभी फरार हैं। पुलिस आयुक्त ने ट्वीट कर दी गिरफ्तारी की सूचना- पुलिस आयुक्त प्रणाली में यह पहला मौका है, जब किसी पुलिस आयुक्त ने ट्वीट कर आरोपित सुमित खनेजा की गिरफ्तारी की जानकारी सार्वजनिक की। जबकि पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी को दबाकर रखा था। यूनिहोम्स सोसायटी के अध्यक्ष एसएस यादव ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले लोग पिछले 11 साल से प्रशासन, पुलिस एवं रेरा कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। जब घर नहीं मिले तो आरोपितों के आफिस में जाकर देखा तो सब गायब हो चुके थे। आरोपित की गिरफ्तारी की जानकारी लगने के बाद बड़ी संख्या में लोग की भीड़ कोर्ट पहुंचे गए थे। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस को तैनात किया गया था।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में सुभाष नगर आरओबी का लोकार्पण व सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया

भोपाल । लंबे इंतजार के बाद राजधानीवासियों को रविवार सुभाष नगर आरओबी की सौगात मिल गई है। 40 करोड़ की लागत से निर्मित इस ब्रिज पर सबसे पहले शाम को करीब छह बजे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला गुजरा। पीछे हजारों की संख्या में लोग भी थे जिन्होंने पहली बार ब्रिज का अवलोकन किया और ब्रिज के जरिए पटरी पार की। इसी के साथ आम नागरिकों के लिए ब्रिज पर आवागमन शुरू कर दिया गया है। अब सुभाष नगर, अशोका गार्डन के लाखों रहवासियों को रेलवे पटरी पार करने में असुविधा नहीं होगी। जाम का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। एमपी नगर समेत नए भोपाल के लोगों को अशोका गार्डन के रास्ते भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-एक तक पहुंचना बहुत आसान हो गया है। शुभारंभ के पूर्व ब्रिज को रंगारंग रोशनी से जाया गया था। लोगों ने पटाखें जलाकर खुशी मनाई है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने ब्रिज से होकर गुजरने वाले आम नागरिकों का फूल देकर स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सुभाषचंद्र बोस की याद में बनाए जाने वाले पार्क का भूमिपूजन भी किया।

प्लागिंग और पौधरोपण कर मनाया सुभाष चंद्र बोस का जन्म दिन

भोपाल। पर्यावरण बचाओ अभियान और नगर निगम के स्वच्छता अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कलियासोत मैदान तथा चिनार पार्क में श्रमदान और पौधरोपण कर महान क्रांतिकारी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मदिन मनाया। पर्यावरण बचाओ अभियान से जुड़े शरद सिंह कुमरे ने बताया कि सभी महापुरुष चाहते थे कि हमारा देश हर मामले में दूसरों के लिए प्रेरणा बने परंतु दुखद है कि दुनिया के 31 सबसे गंदे शहरों में भारत के 20 शहर हैं। इसके जिम्मेदार देश के ही राजनीतिक दल और सरकारें हैं। अब समय आ गया है कि हम अपनी गलती को सुधारें। स्वच्छता को जन अभियान बनाएं। सरकार की स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहयोग बहुत जरूरी है इसलिए पर्यावरण बचाओ अभियान प्लागिंग करने के लिए सभी को प्रेरित कर रही है। इसी के तहत रविवार को कलियासोत मैदान और चिनार पार्क में श्रमदान और पौधरोपण किया गया गया

बीआरटीएस पर 26 करोड़ रुपये से मरम्मत का मरहम लगा रहा नगर निगम

भोपाल। राजधानी में बदहाल हो चुके बीआरटीएस कारिडोर को एक बार फिर जीवन दान देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए मिसरोद से लेकर बैरागढ़ तक 24 किलोमीटर के बीआरटीएस रूट का मेंटेनेंस और अपग्रेडेशन किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम ने 26.34 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। इस तरह बदहाल बीआरटीएस पर मेंटेनेंस और अपग्रेडेशन का मरहम लगाया जा रहा है। इसके लिए नौ माह का समय निर्धारित किया गया है। इस दौरान बीआरटीएस रूट में हबीबगंज से लेकर एमपी नगर और रोशनपुरा चौराहे से लेकर कमला पार्क तक के रूट को नए सिरे से विकसित किया जाएगा। इसके लिए नए सिरे से डीपीआर तैयार की जा रही है। बता दें कि 329 करोड़ रुपये की लागत से इस बीआरटीएस को तैयार किया गया था। वहीं, हर साल लगभग 25 करोड़ रुपये इसके मेंटेनेंस पर खर्च किए जाते हैं। बताया जा रहा है कि बीआरटीएस कारिडोर की नए सिरे से सब डीपीआर तैयार भी की जा रही है। जानकारी के अनुसार गणेश मंदिर से एमपी नगर तक के बीआरटीएस कारिडोर को अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए मेट्रो और फ्लाइओवर के निर्माण के कारण फिलहाल यहां बीआरटीएस कारिडोर खत्म हो चुका है। इसे अपग्रेड कर दोबारा बनाया जाएगा। इसके आसपास बची जगह के आधार पर नए सिरे से डीपीआर तैयार की जाएगी। खास बात यह है कि बीडीए के जिस अधिकारी ने यहां ग्रेड सेपरेटर प्रस्तावित किया था, अब वह अधिकारी नगर निगम में प्रतिनियुक्ति पर लौट आए हैं। इसी अधिकारी को नगर निगम ने नए सिरे से डीपीआर तैयार करने का काम सौंपा है। जानकारी के अनुसार बीडीए में बतौर सब इंजीनियर कार्य देखने वाले बीके सिंह वर्तमान में अपनी सेवाएं सीपीए में दे रहे हैं। सीपीए बंद होने वाला है। इस बात की

सुगबुगाहट के बाद बीके सिंह को नगर निगम में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है। वर्तमान कार्यों के साथ-साथ उन्हें बीआरटीएस में टीडीआर का काम सौंपा गया है। यानी वे अब बीआरटीएस के अपग्रेडेशन और मेंटेनेंस की डीपीआर नए सिरे से तैयार करेंगे। नगर निगम आयुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी ने बताया कि बीआरटीएस कारिडोर को अपग्रेड कर यहां 300 नई सीएनजी बसें बढ़ाई जाएंगी। इसका निर्माण फिलहाल पीथमपुर स्थित आइसर कंपनी में चल रहा है। इन बसों को बीआरटीएस कारिडोर और अन्य नए रूटों पर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर के अंतिम छोर तक लोकल परिवहन को बढ़ाने की पूरी तैयारी की जा रही है।

यह है टेंडर की शर्त

बीआरटीएस का मेंटेनेंस और अपग्रेडेशन पर खर्च की जानी वाली राशि--26.34 करोड़ रुपये

टेंडर के लिए जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी--13 लाख

टेंडर में भाग लेने के लिए जमा की जाने वाली राशि--50 हजार

मेंटेनेंस और अपग्रेडेशन का काम पूरा करने के लिए समय--9 माह

बीआरटीएस कारिडोर खत्म नहीं होगा। इसके अपग्रेडेशन और मेंटेनेंस के लिए हमने टेंडर जारी कर दिया है।

इस टेंडर के अनुसार बीआरटीएस रूट को ज्यादा से ज्यादा बसें गुजारने लायक बनाया जाएगा।

- केवीएस चौधरी कोलसानी, आयुक्त, नगर निगम

जिला के लिए हुए जनमत संग्रह से चला पता

सिहोरा वासी चाहते है जिला बने

सिहोरा- हम सभी सिहोरा वासी सिहोरा को जिला बनाए जाने के पक्ष में है लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति सिहोरा के द्वारा अपने धरने के सोलहवें रविवार को नगर में कराए गए जनमत संग्रह की सार्वजनिक मतगणना कराई गई जिसमे 98 प्रतिशत लोगों ने सिहोरा जिला के पक्ष में अपना मत दिया।राजनैतिक पार्टियाँ आरोप प्रत्यारोप से मामले को मचा न दे इस आशंका से समिति के सिहोरा के अब तक जिला न बन पाने का दोषी कौन के संबंध में प? मतों को सार्वजनिक नही किया।

क्या बोली सिहोरा की जनता

प्रत्यक्ष रूप से डाले गए मतपत्र की गणना में कुल 1522 वोट प? जिसमें सिहोरा जिले के पक्ष में 1499 वोट प?।वही ऑनलाइन गूगल फॉर्म में कुल1237लोगो ने अपना मत रिकार्ड कराया जिसमे 97 प्रतिशत लोगों ने सिहोरा जिले के पक्ष में एकतरफा मत दिया।

ये रहे मतदान अधिकारी

सिहोरा के सेवानिवृत्त प्राध्यापक नागेंद्र कुररिया,सेवानिवृत्त बीईओ मोहनलाल गौतम,नवनीत शुक्ला और प्रकाश दुबे मतदान अधिकारी रहे जिन्होंने प? मतों की गणना की।

ऐसे किया जनमत संग्रह

समिति के सदस्यों ने दो प्रश्नों को लेकर मतपत्र द्वारा और ऑनलाइन गूगल फॉर्म द्वारा 17 जनवरी से 23 जनवरी दोपहर 2 बजे तक जनमत संग्रह कराया।जनमत संग्रह में जनता से पूँछा गया कि आप सिहोरा जिले के पक्ष में है या नही और दूसरा यदि सिहोरा आज तक जिला नही बना तो उसका दोषी वो किसे मानती है।समिति ने दावा किया कि उन्होंने सभी व्यापारियों, कॉलेज स्तर के युवा छात्रों,नगर के वरिष्ठों सहित लगभग सभी वार्डो से जनमत संग्रह किया है।

जनमत संग्रह का सम्मान हो

लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने म प्र सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से आह्वान किया कि उन्हें जनमत संग्रह का सम्मान करते हुए सिहोरा को जिला बनाने की कार्यवाही करनी चाहिये।साथ ही स्थानीय वे जनप्रतिनिधि जो कुप्रचारित करते है कि सिहोरा की जनता जिला नही चाहती उन्हें अपनी गलत हरकतों से अब बाज आना चाहिए।

जारी रहेगा आंदोलन

जनमत को जनता का आदेश मानते हुए लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने घोषणा की कि यह आंदोलन जिला बनने तक जारी रखा जाएगा।

खुलेआम चल रहा सट्टे का अवैध कारोबार, काटी जा रही पर्चियां

/गोटेगांव –स्थानीय थाना अंतर्गत खुलेआम सट्टा एवं जुआ दारू का अवैध कारोबार चल रहा है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है गोटेगांव थाना के कमोद रहली व खोबी में स्कूल परिसर के पीछे बनी कच्ची टपरिया में सट्टा की पर्चियां खुलेआम काटी जा रही है। जिससे गांव में रह रहे ग्रामीणों के परिवार बर्बाद हो रहे हैं एवं सट्टा माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है की उन्हें पुलिस प्रशासन का भी खौफ नहीं है अब ऐसे में सवाल यह खड़ा होता है कि जब खुलेआम अवैध कार्य हो रहे हैं और जानकारी होने के बाद भी पुलिस की कार्यवाही ना होना ऐसे में गोटेगांव थाना पुलिस की कार्यप्रणाली सवाल उठाना लाजमी है द्य खुलेआम अवैध कार्य चल रहे हैं और कार्यवाही क्यों नहीं । पुलिस प्रशासन मौन तो कार्यवाही करेगा कौन रहली ,खोबी मे 1 के 80 का खेल जो?ा पर है सूत्रों की माने तो इस खेल का बॉस नीलेश घोषी ग्राम कमोद निवासी है पुलिस को इस खेल को खिलाने वाले की जानकारी होने के बाद भी कार्यवाही की जगह संरक्षण दे रही हैं इस संबंध में जब गोटेगांव थाना प्रभारी कमलेश चोरिया से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है निश्चित ही हमारे द्वारा कमोद रहली खोवी गांवो मैं कार्यवाही की जावेगी।इस ओर ध्यान किसी अधिकारी का ही नही जाता है जिससे आसपास।के इलाकों में ओपन क्लोज का खेल दिन रात चल रहा है।जनता ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने की मांग कर रही है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा ने किया युवाओं को किया वर्चुअल संबोधित

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल युवा मोर्चा के द्वारा आज गोपाल होटल क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री द्धश्च नड्डा जी भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय माइक्रो डोनेशन रैली को वर्चुअल संबोधित किया । इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन विस्तार को लेकर युवाओं से चर्चा की। कार्यक्रम में युवा नेता राम सोनकर की अगुवाई में युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अर्जुन रजक , पूर्व एमआईसी सदस्य रमेश प्रजापति, जगन पिल्ले, मिलन प्रजापति, अविनाश चमकेल, बृजेश पांडे, मुन्ना सरपंच, मुंशी प्रजापति, अनिकेत रावत, सरंजन कुछबादियां, दीपक विश्वकर्मा, गोल्डी प्रजापति. बबलू रजक, दुर्गेश रजक जानू कुछबदियां, राजा रजक, राजा यादव, अविषेक चंदकर रितिक पाठक, दीपक प्रजापति, रामु कुचबंदिया एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित हुए ।

हमारा बूथ सबसे मजबूत - मरावी

सिहोरा हमारा बूथ सबसे मजबूत होगा तभी हम चुनाव जीतेगे तथा भाजपा भी और मजबूत होगी उक्ताशय के विचार विधायक नंदनी मरावी ने मंझगवा के गिदुरहा में आयोजित बूथ सदस्यों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए उन्होनें कहा की बूथ के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को हाल ही में लांच हुए संगठन के डिजिटल एप से जुडना चाहिए ।

ये रहे उपस्तिथ

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष पवन गुप्ता,पूर्व मंडल अध्यक्ष संजीव पांडे, पिछ?ा वर्ग मोर्चा मझगवाँ मंडल अध्यक्ष सरपंच विनोद पटेल,पूर्व जनपद सदस्य सोमवती सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे

बूथ क्रमांक 229 और 230 की बैठक

गिदुरहा में बूथ क्रमांक 229 और 230 के सदस्यों व पदाधिकारियों की बैठक बुधवार के दिन रखी गई जिसमें बूथ क्रमांक 229 से अध्यक्ष रामदास यादव गिदुरहा,महामंत्री शैलेंद्र पटेल,बीएलओ व सदस्य सतेंद्र पटेल,अवधनारायण,छोटेलाल पटेल,नवीन काछी,विपिन काछी,चंचल पटेल,रामदास पटेल,उपस्तिथ रहे।वहीँ बूथ क्रमांक 230 से आमाडोगरी अध्यक्ष मनीष पटेल,महामंत्री प्रमोद पटेल,सदस्य रामवगय पटेल,बूथ विस्तारक,मनीष तिवारी,उपस्तिथ रहे ।

ज्ञानेंद्र बने प्रधान आरक्षक

अनूपपुर। कोतवाली अनूपपुर में पदस्थ ज्ञानेंद्र की पदोन्नति प्रधान आरक्षक के पद पर की गई हैद्य प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति होने पर कोतवाली प्रभारी अमर वर्मा ने फीता लगाया।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर हो सकता है बदलाव !

अनूपपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष द्वारा सत्ता में रहते हुए संगठन का पद भी लिया गया और अब सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने संगठन यानी जिला कांग्रेस का अध्यक्ष पद छोड़ने की इच्छा भी जताई हैद्य जिसके कारण अब अनूपपुर जिले का जिला कांग्रेस अध्यक्ष कौन होगा, इसकी चर्चाएं जिला मुख्यालय सहित अन्य क्षेत्रों में भी होना शुरू हो चुकी हैद्य यदि अनूपपुर जिले के गठन होने के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नजर दौड़ाई जाए तो इस जिले में कभी भी ब्राह्मण वर्ग से जिला कांग्रेस का अध्यक्ष नहीं बनाया गया हैद्य जब शहडोल और अनूपपुर जिला एक था तब शंकर बाबू शर्मा अविभाजित शहडोल के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं लेकिन अनूपपुर जिले के गठन के बाद इस वर्ग से कभी भी जिला अध्यक्ष नहीं बनाया गया हैद्य वही यदि भारतीय जनता पार्टी की बात करें तो एक नहीं तीन बार ब्राह्मण वर्ग से बृजेश गौतम को जिला भाजपा अध्यक्ष बनाया गया हैद्य जिले में कांग्रेस जनों के मध्य ऐसी चर्चाएं शुरू भी हो चुकी है कि इस बार ब्राह्मण वर्ग से जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया जाए।

इनकी हो रही चर्चा

यदि ब्राह्मण वर्ग से जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर के जिला अध्यक्ष पद के दावेदार की बात की जाए तो

ब्राह्मण वर्ग से कभी नहीं बने जिलाध्यक्ष

उनमें मयंक त्रिपाठी ,अशोक त्रिपाठी ,संतोष पांडे, डॉक्टर राज तिवारी के नाम प्रमुख रूप से चर्चाओं में हैद्य मयंक त्रिपाठी जिला कांग्रेस के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष रह चुके हैं और युवक कांग्रेस में भी पदाधिकारी रहते हुए आंदोलन धरना प्रदर्शन में हमेशा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैंद्य अशोक त्रिपाठी जमुना कॉलरी क्षेत्र के कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते हैं और पेशे से ठेकेदार भी हैं, डॉक्टर राज तिवारी किसान कांग्रेस के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष रह चुके हैं और इनके पिता स्वर्गीय अशोक तिवारी कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते थेद्य संतोष पांडे जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के उपाध्यक्ष हैं और जिला कांग्रेस कमेटी के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष हैं और वर्तमान में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मार्को के खासे चहेते बताए जाते हैं।

इन्हें मिल चुकी है कमान

अनूपपुर जिले में जिन कार्यकर्ताओं को जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है उनमें भाईलाल पटेल भूपेंद्र सिंह जयप्रकाश अग्रवाल एवं वर्तमान अध्यक्ष श्री मार्को के नाम शामिल हैद्य इन सभी जिला अध्यक्षों में सबसे लंबा कार्यकाल जयप्रकाश अग्रवाल कर रहा है और वे लगभग 11 वर्षों तक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैंद्य

2 विधानसभा क्षेत्र में है प्रभाव

यदि अनूपपुर जिले में ब्राह्मण वर्ग के संख्या की बात की जाए तो अनूपपुर एवं कोतमा विधानसभा क्षेत्र में इस वर्ग का काफी प्रभाव बताया जाता है और राजनैतिक क्षेत्र में ब्राह्मण वर्ग के लोगों का हस्तक्षेप भी रहता है।

कांग्रेसियों ने मनाई पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चन्द्र बोस की जयंती

शहडोल। धनपुरी न.3 स्थित सुभास चौक में अमलाई मंडलम अध्यक्ष राम आशीष पटेल द्वारा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारत रत्न, भारत भूमि की आज़ादी के लिए अपना सर्वत्र न्यौछावर करने वाले महान देश भक्त की जयंती धूप अगरबत्ती और माल्यार्पण कर मनाई गई। जिसमे मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष राम सिंह, मो. आज़ाद, शोभाराम पटेल, सेवा दल के जिला अध्यक्ष नौशरमा खान,जिला सचिव अंकित सिंह, इकबाल हुसैन, सुनील सोनी, प्रदीप रावत, इंद्रा मिश्रा, विक्की पटेल, रवि रजक, सूरज महोबिया,बंटी महतो,मोहन कश्यप, शुशांक सिंह सहित काफी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।

जरूरी कार्यों से ही बैंक आएं-सोनी

अनूपपुर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा अनूपपुर में पदस्थ डीसी सोनी ने बैंक के समस्त उपभोक्ताओं से आवाहन किया है कि कोविड की तीसरी लहर को देखते हुए जरूरी कार्यों पर ही बैंक आए और अनावश्यक भीड़ ना लगाएंद्य उन्होंने कहा कि अधिक जरूरी कार्य पर मास्क लगाकर एवं कोविड नियमों का पालन करते हुए बैंक परिसर में प्रवेश करें और स्वयं सहित दूसरों को भी सुरक्षित रखेंद्य सूत्र बताते हैं कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अनूपपुर में पदस्थ एक कर्मचारी के कोरोना पॉजिटिव होने से बैंक परिसर में सतर्कता बरती जा रही हैद्य बैंक परिसर में सैनिटाइजर की व्यवस्था भी की गई है।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चयनित हुई अमरकंटक नवोदय विद्यालय की छात्रा बनीता दास

देश में नई तकनीकों को बढ़ावा देने शैक्षणिक, खेल, कला, संस्कृति, सामाजिक सेवा और बहादुरी के क्षेत्र में असाधारण क्षमता और उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बच्चों को प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया जाता है इस वर्ष जिन बच्चों को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा उनमें मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में अध्ययनरत मूलत- उड़ीसा निवासी बनीता दास भी शामिल है।

अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनना लक्ष्य है बनीता दास का

साइंस के प्रति बचपन से रुझान होने से बनीता दास ने इसे ही अपना भविष्य बनाने का फैसला लिया है। नासा द्वारा स्पेस फाउंडेशन और अंतरराष्ट्रीय खगोल शाला द्वारा मिशन 2021 जनवरी में एक क्षुद्र ग्रह की खोज बनीता द्वारा की गई है, इस क्षुद्र ग्रह का नाम उनके ही नाम से रखा जाएगा बनीता दास की इस उपलब्धि से उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने देश का नाम रोशन करने का एक अच्छा मौका मिला प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 24 जनवरी 2022 को प्रातः 11-00 बजे राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से बात करने के कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक की छात्रा बनीता दास से भी बात करेंगे।

जिले के लिए गौरव का क्षण

जिले के अमरकंटक जवाहर नवोदय विद्यालय की छात्रा बनीता दास का राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चयनित होने तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात करने का अवसर जिले के लिए गौरवपूर्ण है।

विभिन्न मंचों में सम्मानित हुई है बनीता दास

जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक की छात्रा बनीता दास विज्ञान के प्रति आगृही है और इसे ही अपना कैरियर बनाना चाहती हैं, उन्हें भारत सरकार के साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित इंस्पायर मानक अवार्ड प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों के लिए एक सैनिटाइजर स्कूल बैग का निर्माण जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में बायो प्लास्टिक का प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने पर पुरस्कृत किया गया हैं। बनीता भारत सरकार के द्वारा बेस्ट टू वेल्थ मिशन में राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता सारथी समाज में स्वच्छता के प्रति सिंगल यूज प्लास्टिक को रोकने के लिए तथा नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कार्य कर रही हैं बनीता दास को उड़ीसा के कल्चर और जगन्नाथ पुरी से जुड़े पारंपरिक चित्रकला से बेहद लगाव है ओडीसी नृत्य आसाम के लोक नृत्य बिहू का प्रदर्शन उन्हें अच्छा लगता है बनीता भविष्य में अंतरिक्ष वैज्ञानिक होकर देश के लिए काम करना चाहती हैं।

एनआईसी मे हुआ ट्राई रन

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से प्रधानमंत्री जी के संवाद को दृष्टिगत रख कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में संवाद से संबंधित ट्राई रन किया गया।

महाराणा प्रताप की जयंती भव्यता से मनाई गई

गोटेगांव-–विगत दिवस नगर में हिंदू हृदय सम्राट मेवाड़ नरेश महाराणा प्रताप जी की पुण्यतिथि पर नवीन बस स्टैंड प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, सर्वप्रथम उनके तैलचित्र पर उपस्थित अतिथियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। उसके पश्चात आज के कार्यक्रम के मुख्यवक्ता प्रहलाद मोहन सिंह पटेल जिला कार्यवाह आरएसएस ने अपने उदबोधन में बताया कि महाराणा प्रताप 208 किलो के औजार लेकर योद्धबकिया करते थे, उनके कवज का वजन 71 किलो और भाला का वजन 80 किलो था। उनकी तलवार के एक ही वार से घो?ा के दो टुक? हो जाते थे। उनकी वीरता और देशभक्ति की अनेक कहानियों आज भी प्रचलित है। स्वाभिमान की रक्षा के लिये उन्होंने युध्द को स्वीकार किया समर्पण नही। अकबर से लगातार उनका टकराव बना रहा, सन 1576 को हल्दीघाटी के मैदान में अकबर के सेनापति मानसिंह 80 ह?ार की सेना और महाराणा प्रताप 20 ह?ार की सेना के बीच मे भीषण युद्ध हुआ। युद्ध तो केवल एक दिन चला परंतु उसमे 17 ह?ार सैनिक मारे गये थे। महाराणा प्रताप के विषय मे विख्यात है कि अपनी स्वतंत्रता और देशाभिमान की रक्षा के लिए घास की रोटी खाई और राजमहल छो?कर जंगल जंगल भटके। महाराणा प्रताप जी के जीवन से हमें देशभक्ति की प्रेरणा प्राप्त होती है। आज के कार्यक्रम का आयोजन हिन्दू धार्मिक उत्सव समिति गोटेगांव और न्यू बस स्टैंड व्यापारी संगठन द्वारा किया गया। आज के कार्यक्रम में गीताशरण विश्वकर्मा पार्षद, नीरज दुबे,अशोक पटेल, सुनील राजपूत,नीरज पटेल, भगीरथ झारिया,विजय पटेल,सद्दाम, प्रवेन्द्र पटेल, आकाश पटेल, धनेश विश्कर्मा, सचिन राठौर, सोनू खान, अतुल जैन, सहित ब?ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का संचालन सत्यम पटेल और आभार प्रदर्शन सूर्यकांत उपाध्याय द्वारा किया गया।

मध्य प्रदेश शासन के मंत्री पटेल का गोटेगांव नगर प्रवेश पर किया भव्य स्वागत

गोटेगांव= विगत दिवस नगर में पधारे माननीय राम खिलावन पटेल पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) .पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री (राज्यमंत्री) मध्य प्रदेश शासन. का गोटेगांव नगर के प्रवेश द्वार बायपास चौराहा नरसिंहपुर मार्ग पर भारतीय जनता पार्टी जिला के निर्देश अनुसार नगर मंडल गोटेगांव भाजपा द्वारा माननीय मंत्री जी का स्वागत किया गया मंत्री जी को सर्वप्रथम तिलक एवं माला पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया उनसे सौजन्य भेंट भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा की गई तत्पश्चात मंत्री जी लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का लोकार्पण करने नागन देवरी (जिला सिवनी) के लिए प्रस्थान कर गए उनका स्वागत करने वालों में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह पटेल जिला मंत्री राजेश तिवारी. पार्षद गीता सारण विश्वकर्मा .पूर्व जिला भाजपा उपाध्यक्ष प्रताप सिंह पटेल.जितेंद्र कुमार चांदोलिया .पार्षद गीता शरण विश्वकर्मा .पंडित नीरज दुबे . डब्बू सिंह ठाकुर . गोविंद कहार .मोहन पिपरोलिया संदीप शर्मा अतुल परिहार संजीव कोष्टा. सुरेश मल्होत्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही विश्वकर्मा .पंडित नीरज दुबे . डब्बू सिंह ठाकुर . गोविंद कहार .मोहन पिपरोलिया संदीप शर्मा अतुल परिहार संजीव कोष्टा. सुरेश मल्होत्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त हुई तिमाही एवं नौ महीनों के लिए वित्तीय परिणाम

एजेंसी। 2022 को मुंबई में आयोजित हुई एक मीटिंग में एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 31 दिसंबरए 2021 को समाप्त हुई तिमाही एवं नौ महीनों के लिए बैंक के ;भारतीय जीएएपीद्ध परिणाम अनुमोदित किए। ये खाते बैंक के कानूनी ऑडिटर्स द्वारा लिमिटेड रिव्यू ;सीमित समीक्षा के अधीन हैं।

लाभ एवं हानि खाता रू 31 दिसंबर 2021 को समाप्त हुई तिमाही के लिए31 दिसंबरए 2021 को समाप्त हुई तिमाही के लिए बैंक का कुल राजस्व ;कुल ब्याज आय प्लस अन्य आय 31 दिसंबर 2020 को समाप्त हुई तिमाही के लिए ?23,760.8 करोड के मुकाबले 12.1 प्रतिशत ज्यादा यानि 26,627.0 करोड रहा।31 दिसंबर, 2021 को समाप्त हुई तिमाही के लिए कुल ब्याज आय ;अर्जित ब्याज में से खर्च किया गया ब्याज निकालकरद्ध 13.0 प्रतिशत बढकर 18443ण्5 करोड रु हो गइ, जो 31 दिसंबर 2020 को समाप्त हुई तिमाही के लिए 16,317.6 करोड रु थी। एडवांसेस ने रिलेशनशिप मैनेजमेंटए डिजिटल प्रस्तुतियों एवं उत्पादों की विशालता के बल पर 16.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ नई ऊँचाईयां छुई। कोर नेट इंटरेस्ट मार्जिन ;कुल शुद्ध ब्याज मार्जिनद्ध 4.1 प्रतिशत था। तिमाही में जुडने वाले नए लायबिलिटी ;देनदारी संबंध सबसे ऊँचे थे। जमा पर इस निरंतर फोकस से 123 प्रतिशत का सेहतमंद लिक्विडिटी कवरेज अनुपात बनाए रखने में मदद मिलीए जो नियामक जरूरत के मुकाबले काफी ज्यादा हैए और बैंक को वृद्धि के अवसरों का लाभ उठाने में अनुकूल बनाता है।

अन्य आय ;गैर.ब्याज राजस्व ?8183.6 करोड रु रही जो 31 दिसंबरए 2021 को समाप्त हुई तिमाही के लिए सकल राजस्व की 30.7 प्रतिशत थी और पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 7,443.2 करोड के मुकाबले 9.9 प्रतिशत बढी।

धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन

धनपुरी। नगर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और समाजसेवी नगर में जिनकी छवि एक ईमानदार कर्तव्यनिष्ठा और समर्पित समाजसेवी की है नगर के युवा जिन्हे अपना आदर्श मानते हैं भावी पीढ़ी के मार्गदर्शक श्री आनंद मोहन जायसवाल का जन्मदिन बड़ी ही धूमधाम से कांग्रेस जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह समेत कई अन्य वरिष्ठ कांग्रेस जनों की उपस्थिति में मनाया गया एवम जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह ने गुलाब का फूल भेंटकर श्री आनंदमोहन जयसवाल को जन्मदिवस की बधाई दी एवम उनके दीर्घायु होने की कामना की कार्यक्रम में मुख्य रूप से कॉन्ग्रेस जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील सोनी मुकुल श्रीवास्तव अनिल जयसवाल पार्षद सूफियान खान एनएसयूआई प्रदेश सचिव हेमंत शर्मा वसीम अरविंद जयसवाल लाला जैसवाल अक्षांश जयसवाल परितोष जयसवाल प्रत्युष जयसवाल उत्कर्ष जयसवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जनों एवम परिवार के सदस्यों ने आनंद मोहन जायसवाल को शुभकामनाएं प्रेषित करी

लेखक, निर्देशक और अभिनेता तिग्मांशु धूलिया के लिए ओटीटी अच्छा शगुन रहा है। 'यारा' ओटीटी पर रिलीज हुई बेहतरीन फिल्मों में शुमार है। 'क्रिमिनल जस्टिस' के वह पारस पत्थर बने। और, अब वह लेकर आए हैं 'द ग्रेट इंडियन मर्डर' जो विकास स्वरूप के उपन्यास 'सिक्स सस्पेक्ट्स' पर आधारित है। दिलचस्प बात ये है कि इस किताब पर निर्माता प्रीति सिन्हा पिछले पांच साल से फिल्म बनाने की कोशिश करती रही हैं। इसके लेखक विकास स्वरूप ने जो कहानी का ताना बाना बुना, उसमें प्रीति ने सीरीज बनाने के समय काफी फेरबदल किए हैं। इस सीरीज के कप्तान तिग्मांशु धूलिया से एक खास बातचीत।

करोड़ों कमाना बहुत आसान है, पहला लाख कमाना मुश्किल होता है: तिग्मांशु धूलिया

और, इसे रचने में आपको उपन्यास से कितनी मदद मिली?

ये बहुत दिलचस्प बात हुई कि प्रतीक और ऋचा के जो किरदार हैं वे किताब में नहीं हैं। वे किताब से बाहर हैं। किताब पढ़ते हुए मुझे लगा था कि इन्वेस्टिगेशन कौन करेगा। तो नॉवेलिस्ट जब लिख रहा होता है तो कभी फर्स्ट पर्सन तो कभी थर्ड पर्सन लिख देते हैं कि मैं सोच क्या रहा हूं। जैसे कि रवि सोच रहा था कि उसके जेब में तो सिर्फ दो रुपये हैं तो रात का खाना कहां से खाएगा। पहले फिल्मों या नाटकों में होता था कि किरदार बोलता था आसमान को देखकर कि मेरे मन में ये ख्याल उठ रहा है। पीछे कोई किला हो ना हो, कलाकार बोल देता था कि मैं किले के सामने खड़ा हूं। फिल्मों में ये हो नहीं सकता। ये चल नहीं सकता। जो वह सोच रहा है उसको निकालने को ही अडाप्टेशन कहते हैं।

आशुतोष राणा के मुताबिक 'द ग्रेट इंडियन मर्डर' सीरीज के लिए उन्होंने सिर्फ आपका नाम सुनकर हां कर दी? ऐसा क्या खास है इसमें? दर्शकों को क्या कुछ नया देखने को मिलेगा?

नया क्या है, ये तो मैं कह नहीं सकता क्योंकि मैंने ऐसा कुछ बनाने की कोशिश की नहीं है जो पहले बन ना चुका हो। हां, मेरे लिए ये पहली बार है कि मैं किसी मर्डर सस्पेंस थ्रिलर पर काम कर रहा हूं। मेरी कोशिश रहती है कि मैं अपने आप को रिपीट न करूं। जो ये थ्रिलर जॉनर है, प्लॉट ड्रिवेन मर्डर मिस्ट्री। ऐसा काम मैंने बहुत कम किया है। शायद 'क्रिमिनल जस्टिस' डिज्नी प्लस हॉटस्टार का मेरा एक शो था उसके शुरू के दो एपीसोड मैंने बनाए थे। इसके अलावा ऐसा कोई मैंने प्लॉट ड्रिवेन जिसमें कुछ किसी की पुरानी हिस्ट्री, किसी कैरेक्टर का बैकग्राउंड खुलने से कुछ नया हो जाए, कुछ ऐसा नया निकलकर बाहर आ जाए कि चीजें बिखरनी शुरू हो जाएं। ऐसा काम मैंने किया था नहीं। लेकिन देखने में मजा बहुत आता था। मुझे लगा कि मर्डर मिस्ट्री या थ्रिलर जॉनर ऐसी एक चीज है जिसे देखने में दर्शकों को सबसे ज्यादा मजा आता है। इसीलिए अगर आप शोज देखिए क्राइम पेट्रोल वगैरह, वे बड़े पॉपुलर होते हैं। ये वैसी कहानी है कि जैसे आप सड़क पर जा रहे होते हैं और कोई एक्सीडेंट होता है तो सबकी गर्दनें गाड़ियों के बाहर होती हैं कि हुआ क्या है। कोशिश सिर्फ ये थी कि इसको प्लॉट की कोशिश से बड़ा बनाया जाए और वो सामग्री नॉवेल में आलरेडी थी। उसके करने की गुंजाइश थी। इसीलिए ये कहानी पूरे हिंदुस्तान में घूमती है। और, उस मर्डर का जो डोमिनो रिपल इफेक्ट होता है पूरी सोसाइटी में उसकी ये कहानी है। उसका इफेक्ट क्या होता है। इसीलिए द ग्रेट इंडियन मर्डर है ये। हालांकि, मैं बहुत पक्ष में नहीं था इसके कि इसका नाम द ग्रेट इंडियन मर्डर रखा जाए। आप अपनी ही तारीफ कर रहे हैं। लेकिन बहुत सारे लोगों की, सारे पंचों की सहमति हुई तो फिर इसका नाम रखा गया।

आज का युवा अब हुनरमंद होकर जमाने की आंख में आंख डालकर कोई भी बात कर पा रहा है। 'हासिल' से लेकर अब तक कितना बदला है परदे पर युवाओं का किरदार?

ये जो प्रतीक का किरदार है इस सीरीज में खास तौर से प्रतीक का क्योंकि जो ये बात आप कह रहे हैं जो नौजवानों का एक खास कास्ट का या क्लास का चेंज हुआ है ये इसके किरदार में दिखेगा डिफेनिटली। और बाकी के जो किरदार हैं वे अपनी अपनी सामाजिक परिस्थितियों में फंसे हुए हैं और उनसे भी जूझ रहे हैं। सबके अपने अपने कॉम्पेल्क्सेज हैं लेकिन सूरज यादव का जो किरदार है। 90 की पॉलीटिक्स के बाद जो बदलाव आए हैं। मंडल है, कमंडल है। उसने क्षेत्रीय राजनीति को बहुत बढ़ावा दिया खासतौर से उत्तर भारत की राजनीति में। और वह वर्ग जो पहले सामाजिक समानता से वंचित था, उस वर्ग को एक स्थायित्व मिला है। राजनीतिक ताकत भी मिली है और आर्थिक ताकत भी मिली है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं. तो उनको बदलाव तो हुआ है लेकिन प्रोग्रेस स्लो हो गई। फिर जो इनको मिला है वो बहुत तेजी से मिला है। तो उसका बहुत बड़ा प्रतीक है प्रतीक गांधी का कैरेक्ट।

और एक दिलचस्प बात ये हुई कि जब मैं लिख रहा था, ये दोनों किरदार लिख लिए थे। स्क्रिप्टिंग हो गई थी। दूसरा दौर जब पैंडेमिक का जब आया। सब लोग घर पर बैठ गए। तो ओटीटी का कटेंट देखना या पढ़ना यही रह गया था करने को। पढ़ने का शौक है मुझे। तो मैंने संजय बारू जिन्होंने एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर लिखा, उनकी एक किताब आई थी इंडियाज पावर एलीट, उसको जब मैंने पढना शुरू किया तो उसमें जो बातें आई तो मैंने कहा कि अरे, मैंने तो इसको लिख दिया द ग्रेट इंडियन मर्डर में। दोनों में बहुत ही समानता दिखी। मुझे लगा कि मेरी सोच को किसी किताब ने सेकंड कर दिया। और एम्फेसाइज कर दिया और अंडर लाइन कर दिया कि जो मैं सोच रहा हूं वह बात सही है। ये करने में बड़ा मजा आया।

सीरीज के ट्रेलर में रघुबीर यादव का किरदार एक जगह कहता है, 'आई एम गांधी' और सामने खड़ी महिला उसे थप्पड़ मारती है, इस दृश्य के पीछे का मंतव्य क्या है?

मंतव्य तो शायद लेखक विकास स्वरूप ही बेहतर बता पाएंगे लेकिन मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि इस किरदार के दो पहलू हैं। ब्लैक एंड व्हाइट यानी श्याम और श्वेत। तो ये जो श्वेत चेहरा है जो शुद्धता का प्रतीक है। अब भी सच्चाई, ईमानदारी, संघर्ष का जो प्रतीक हैं वह गांधीजी ही हैं। और दूसरी तरफ उनका दूसरा किरदार है मोहन कुमार का किरदार। मुझे नहीं लगता गांधीजी से बड़ा कोई श्वेत चरित्र इंसान हिंदुस्तान की हमारी पूरी सामाजिक जाग्रति में दूसरा कोई होगा।

सीरीज की निर्माता प्रीति सिन्हा की पहली ख्वाहिश इस किताब पर फिल्म बनाने की रही, आपने किताब पढ़ी तो आपकी पहली इच्छा क्या थी फिल्म या सीरीज?

सीरीज। फिल्म के हिसाब से इसकी सामग्री बहुत ज्यादा थी। कैनवस मैं नहीं कहूंगा क्योंकि कैनवस तो बड़े होते ही है फिल्मों के लेकिन मैं समय की बाध्यता कहूंगा कि इस कहानी को कहने के लिए जो वक्त चाहिए वह बहुत ज्यादा है। दो, सवा दो घंटे में ये कहानी नहीं कही जा सकती थी। सीरीज के भी दो सीजन हैं।

और, ओटीटी के आने से कितनी आजादी मिली है फिल्मकारों को? क्या ये सही है कि सिनेमा में जो रचनात्मक आजादी नहीं मिलती वह तमाम फिल्मकारों को ओटीटी में मिल रही है?

क्रिएटव फ्रीडम एक अलग बात हो गई। बड़े निर्देशकों के पास तो ये होता ही है। अब राजामौली हो या रोहित शेट्टी हों या करण जौहर हो, राजू हिरानी हों, ये सक्सेसफुल और अच्छे फिल्ममेकर्स हैं। और इन्होंने कमर्शियल बहुत तरक्की की और बहुत हिट फिल्मे दी हैं। तो इनको थोड़े कोई बोलता है कि ऐसे करो, ऐसे न करो। अगर आप फिल्मों में एक पोजीशन बना लेते हैं अपने काम से अपनी सक्सेस से तो क्रिएटिव फ्रीडम मिलती है आपको अपने काम से आपके व्यहार से। वही चीज है ओटीटी में भी। हां, जो अपना पहला या दूसरा काम कर रहे हैं जो किसी बड़े डायरेक्टर के असिस्टेंट रहे और अपना पहला काम कर रहे हैं तो उनके ऊपर दबाव पड़ेगा ही पड़ेगा। इसी को तो कहते हैं संघर्ष। संघर्ष सिर्फ काम मिलने का ही नहीं होता। संघर्ष काम जारी रहने का भी होता है। फिल्म इंडस्ट्री में करोड़ों कमाना बहुत आसान काम है, पहला लाख कमाना मुश्किल होता है। ओटीटी और बहुत चीजों की आपको फ्रीडम देता है। आजादी देता है। नई कहानियों को कहने की आजादी देता है। नए लोगों के साथ काम करने की बहुत आजादी देता है। नए टेक्नीशियनों के साथ, बॉम्बे के स्टूडियो सिस्टम से बाहर निकलकर काम करने की आजादी देता है। नई नई लोकेशन पर जाकर काम करने का मौका मिलता है। नौ शहरों में शूटिंग हुई है इसकी। पूरा भारत दर्शन है।

रुपाली गांगुली ने शेयर किया डांस वीडियो, फैंस बोले-उफ्फ तेरी अदा

रुपाली अक्सर ही कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक वीडियो शेयर की है जिसमें रुपाली ब्लैक गाउन पहने डांस करती नजर आ रही हैं।

टीवी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली अपने शो अनुपमा की वजह से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस शो के बाद रुपाली गांगुली की लोकप्रियता भी बढ़ी है। उन्हें अनुपमा के रोल में खूब पसंद किया जा रहा है। रुपाली गांगुली अनुपमा के किरदार में तो फैंस का मनोरंजन करती ही हैं इसके साथ वह सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। रुपाली अक्सर ही कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक वीडियो शेयर की है जिसमें रुपाली ब्लैक गाउन पहने डांस करती नजर आ रही हैं। उनकी ये वीडियो फैंस को खूब पसंद आ रही है।

शनिवार का खुशमिजाज डांस-

रुपाली गांगुली ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वह ट्रेंडिंग म्यूजिक ट्यून पर डांस करतनी नजर आ रही हैं। ब्लैक कलर का गाउन में रुपाली का लुक स्टनिंग लग रहा है। उन्होंने यह वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा-÷मेरा करेंट मूड, मेरे शनिवार का खुशमिजाज डांस।÷

फैंस कर रहे जमकर तारीफ-

रुपाली का ये वीडियो देखने के बाद फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने रुपाली की तारीफ करते हुए लिखा, %हमेशा की तरह बहुत प्यारी, हैप्पी वीकेंड रुपाली%। उफ्फ..तेरी अदा...माय माय, वुमन इन ब्लैक। इसी तरह एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, %किसी की नजर न लगे मेरी जान रुप्स मां को, लुकिंग सो गॉर्जियस एंड सो ब्यूटीफुल%। फैंस इसी तरह से एक के बाद एक रूपाली गांगुली की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। इससे पहले अनुपमा यानी रुपाली गांगुली ने ग्रीन कलर के लहंगे में अपनी तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें पहले बड़ी खूबसूरती के साथ पोज देती नजर आ रही थी और हमेशा की तरह फैंस ने उनकी इन तस्वीरों की भी जमकर तारीफ की थी।

मिथुन दा ने सलमान खान संग मशहूर गानों पर लगाए ठुमके

मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस के 15वेम सीजन का फिनाले अब बेहद नजदीक है। ऐसे में शो के सभी कंटेस्टेंट्स के बीच लगातार मुकाबला जारी है। वहीं इस हफ्ते प्रसारित हुए वीकेंड का वार एपिसोड में शो के होस्ट सलमान खान एक बार फिर मंच पर एक खास मेहमान के साथ शो को होस्ट करने पहुंचे। कलर्स पर प्रसारित होने वाले रियलिटी शो बिग बॉस 15 के वीकेंड का वार एपिसोड में इस हफ्ते बतौर मेहमान नजर आए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती और कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया। दरअसल, यह सभी अपने आने वाले शो हुनरबाज के लिए बिग बॉस के मंच पर पहुंचे। इस शो की वजह से ही शनिवार को प्रसारित हुए वीकेंड का वार एपिसोड भी नए समय पर प्रसारित किया गया।

शो में आए सभी मेहमानों के साथ सलमान खान ने जमकर मस्ती की। इसके अलावा सलमान खान की इस दौरान अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ खूबसूरत बॉन्डिंग भी देखने को मिली। शो की शुरुआत होते ही सलमान खान ने मिथुन दा के साथ एक डांस परफॉर्मेंस दी थी। इतना ही नहीं शो में पहुंचे भारती और हर्ष ने अभिनेता सलमान खान और मिथुन चक्रवर्ती को कई मजेदार टास्क कभी करने को दिए।

भारती ने सबसे पहले सलमान खान और मिथुन चक्रवर्ती को एक्सप्रेशंस का एक टास्क करने को दिया। इस टास्क के तहत भारती ने दोनों ही अभिनेताओं को दिए गए अलग-अलग हालातों के मुताबिक एक्सप्रेशन देने को कहा। टास्क को करते हुए मिथुन चक्रवर्ती और सलमान खान दूर खड़ी लड़की को पटाने के लिए मजेदार एक्सप्रेशन देते नजर आए। जबकि शोक की मेकर्स द्वारा फीस ना मिलने पर नाराजगी जताते हुए अपने एक्सप्रेशन देते भी दिखाई दिए।

इसके बाद भारती ने दोनों को एक और मजेदार टास्क करने को दिया। इस टास्क के तहत बारी-बारी से दोनों अभिनेताओं को अपने कान में हेडफोन लगाना था ताकि उन्हें कुछ सुनाई ना दे। वहीं दूसरे अभिनेता को प्ले होने वाले गाने का स्टेप करना था। इस दौरान हेडफोन लगाए अभिनेता को उस गाने का नाम पहचानना था।

टास्क को करते हुए सबसे पहले मिथुन चक्रवर्ती के कान पर हेडफोन लगाया गया और सलमान खान ऋतिक रोशन के मशहूर गाने एक पल का जीना पर डांस करते नजर आए। सलमान के किए हुक स्टेप को देखकर मिथुन दा। तुरंत गाने का नाम पहचान गए। इसके बाद सलमान खान की बारी आने पर मिथुन चक्रवर्ती सलमान के मशहूर गाने बेबी को बेस पसंद है पर स्टेप करते दिखाई दिए। पहले तो सलमान गाने को पहचानने में नाकाम रहे लेकिन बाद में हुक स्टेप के जरिए उन्होंने इस गाने को पहचान लिया।

इसके बाद सलमान खान ने मिथुन चक्रवर्ती को घर के सभी सदस्यों से भी रूबरू कराया। इस दौरान सलमान खान ने घर के सभी सदस्यों के हुनर के बारे में मिथुन चक्रवर्ती को बताया। अंत में घर के सभी सदस्यों ने मिथुन दा के लिए तैयार किए गए खास डांस परफॉर्मेंस के साथ उनका भी स्वागत किया।

मां के साथ पांच साल की बच्ची ने गाया घर मोरे परदेसिया, गाना सुन शिल्पा शेट्टी बोलीं- रोंगटे खड़े हो गए

पांच साल की बच्ची ने अपनी मां के साथ जब %मोरे परदेसिया% सॉन्ग गाया तो सभी जज हैरान रह गए। बच्ची का गाना सुनकर जज शिल्पा शेट्टी के तो रोंगटे खड़े हो गए तो वहीं जज बादशाह, मनोज मुंतशिर और किरण खेर भी बस हैरान होते और तालियां बजाते नजर आए।

गॉट टैलेंट में कंटेस्टेंट्स में एक से बढ़कर एक हुनरबाज सामने आ रहे हैं, जो जजेस समेत देश के लोगों को भी हैरान कर दे रहे हैं। ऐसी ही एक नन्हीं प्रतिभा को देखकर जजेस हैरान रह गए। शो इंडियाज गॉट टैलेंट में महज पांच साल की बच्ची ने अपनी मां के साथ जब %मोरे परदेसिया% सॉन्ग गाया तो सभी जज हैरान रह गए। बच्ची का गाना सुनकर जज शिल्पा शेट्टी के तो रोंगटे खड़े हो गए तो वहीं जज बादशाह, मनोज मुंतशिर और किरण खेर भी बस हैरान होते और तालियां बजाते नजर आए।एपिसोड में मां और बेटी की जोड़ी धमाकेदार परफॉर्मेंस देती हुई दिखाई दे रही है। इस एपिसोड की वीडियो सोनी टीवी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम से शेयर की गई है जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, %मुक्ता और प्रज्ञा की इस क्यूट जोड़ी के ड्यूट को सुनकर सभी जजेस के चेहरे पर आ गई एक बड़ी सी स्माइल%। वीडियो में मुक्ता और प्रज्ञा मां-बेटी की जोड़ी पॉपुलर सॉन्ग मोरे परदेसिया परफॉर्म करती नजर आ रही हैं। दोनों ने इतनी धमाकेदार परफॉर्मेंस दी की सभी हैरान रह गए। खासतौर पर पांच साल की बेटी ने जब अपनी मां के साथ जुगलबंदी की और ताल से ताल मिलाकर गाया तो जजेस बस देखते ही रह गए।

%घर मोरे परदेसिया% गाना जो किसी बड़े के लिए गाना भी बेहद मुश्किल है उसे छोटी सी बच्ची ने परफेक्शन के साथ बेहद ही आसानी से गा लिया। परफॉर्मेंस पूरी होने के बाद सभी जजेस ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया तो वहीं दर्शकों की सीटी और तालियों से पूरा स्टेज गूंज उठा।

अभिनेत्री सारा अली खान ने शेयर किया वीडियो

स्टनिंग लुक्स से फैंस को बनाया दीवाना

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा चर्चित स्टार किड्स में एक सारा अपने लुक्स और एक्टिंग दोनों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। आए दिन अपने सोशल मीडिया पर अपनी लाइफ से जुड़ी फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सारा ने अपने शूटिंग के दिनों का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे डिफेंट आउटफिट्स पहन-पहन कर देख रही हैं।

इंस्टा पर सारा के डिफेंट लुक्स

अभिनेत्री सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें उनके अलग-अलग रूप नजर आ रहे हैं। वीडियो में सारा कभी फॉर्मल्स तो कभी लहंगा पहने दिख रही हैं। इसे शेयर करते हुए अभिनेत्री लिखती हैं, ÷जूती और हील्स में तैयार होने वाली फीलिंग।÷

इंटरनेट पर छा गया वीडियो

सारा के सोशल मीडिया पर 39 मिलीयन फॉलोवर्स हैं। उनकी इस वीडियो को कुछ ही घंटों में करीब पांच लाख लाइक्स मिल चुके हैं। इस वीडियो में सारा हर आउटफिट में बहुत ही खूबसूरत और स्मार्ट लग रही हैं। उनके फैंस इसपर खूब प्यार लुटा रहे हैं।

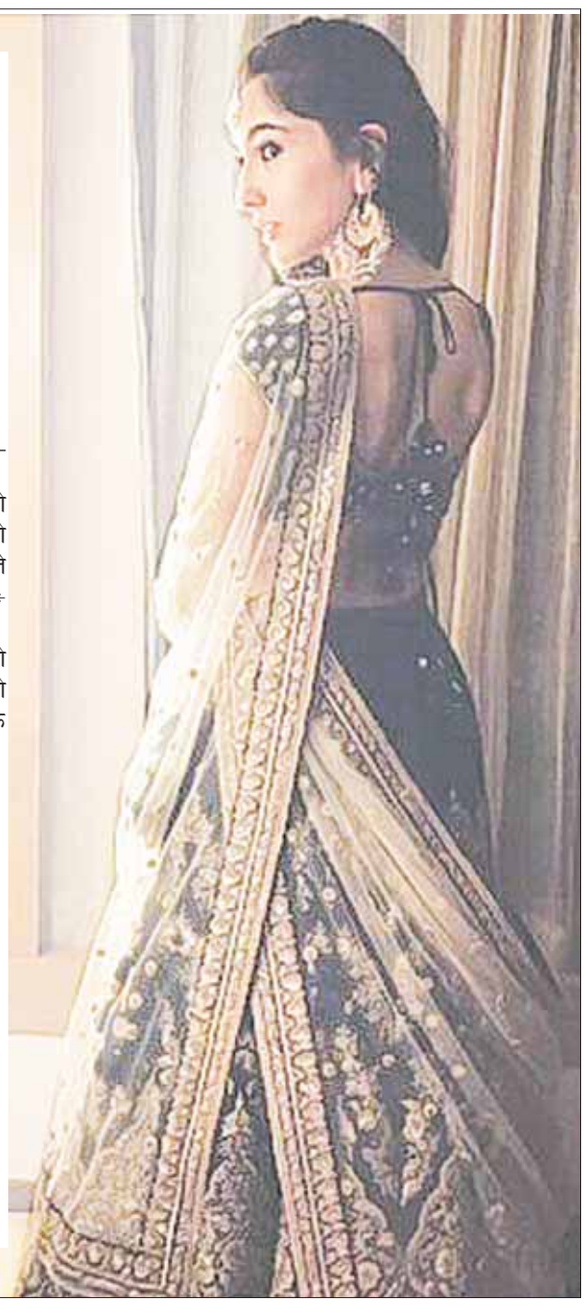

ग्रहों से तय होती है हमारी दशा और दिशा

जबलपुर,यशभारत। ग्रहों की उपस्थिति का मानव जीवन पर बहुत असर पड़ता है और ज्योतिषी जन्म कुण्डली में इन्हीं ग्रहों की स्थिति के आधार पर आपके भविष्य में होने वाली परिस्थितियों के विषय में सटीक गणना करतें है। इसलिये ज्योतिष को समझने के पूर्व हमें ग्रहों के विषय में भी जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। यह कहना है पूर्व आईपीएस अधिकारी व ज्योतिषाचार्य मनोहर वर्मा का यशभारत के लोकप्रिय कार्यक्रम जीवन ज्योतिष में यशभारत के संस्थापक आशीष शुक्ला के साथ आज इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की और जाना की ग्रहों की हमारे जीवन के निर्धारण में क्या भूमिका होती है।

वीडियो देखने के लिए यश भारत फेसबुक पर जाएं
प्रति सोमवार प्रातः 10 बजे

सूर्य और पृथ्वी का योग

सौर मंडल के ग्रह नक्षत्रों का हम पर जो प्रभाव होता है उसका अध्ययन ही ज्योतिष है। इसलिए ज्योतिष को जानने के लिए सौर मंडल को जानना आवश्यक है, हमारे सौरमंडल का मुख्य ग्रह सूर्य है। जिसके चारों ओर पृथ्वी भ्रमण करती है, क्योंकि हम पृथ्वी पर रहते हैं इसलिए हमें ऐसा भान होता है कि, सूर्य पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। वह प्रातः पूर्व दिशा में उगकर शाम को पश्चिम दिशा में डूबता हुआ दिखाई देता है। जबकि वास्तव में पृथ्वी पश्चिम से पूर्व दिशा में घूम रही होती है। इसी प्रकार पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करने के साथ-साथ अपनी धुरी पर भी घूमती है जिसे रिवॉल्यूशन परिभ्रमण कहते हैं। पृथ्वी 24 घंटे में अपनी धुरी पर एक बार घूम जाती है, जिससे दिन और रात होने होते हैं। वह 1 वर्ष में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है जिसके कारण छह रितुए होती हैं।

सात ग्रह प्रमुख

यशभारत के लोकप्रिय कार्यक्रम जीवन ज्योतिष में पूर्व आईपीएस अधिकारी व ज्योतिषाचार्य मनोहर वर्मा के साथ आशीष शुक्ला

जिस प्रकार पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है उसी प्रकार चंद्र भी पृथ्वी के चारों ओर परिक्रमा करता है। जो वह करीब 1 माह में पूर्ण करता है और पृथ्वी की ही तरह वह भी अपनी धुरी पर घूमता रहता है। जब हम पृथ्वी से देखते हैं तो हमें सूर्य और चंद्र दोनों ही भ्रमण करते हुए दिखाई देते हैं और हम दोनों का प्रभाव भी हम पर महसूस करते हैं। इसी प्रकार सूर्य के चारों और बुध ,शुक्र, मंगल, गुरु, शनि भ्रमण करते हैं। शनि के बाद भी कई ग्रहों की खोज हुई है, जिनमें नेपच्यून, प्लूटो तथा यूरेनस प्रमुख हैं। किंतु यह ग्रह पृथ्वी से अधिक दूर हैं इसलिए ज्योतिष में इनके प्रभाव को वर्तमान में प्रमुखता से शामिल नहीं किया गया है। इस प्रकार हम देखते हैं कि पृथ्वी से देखने पर सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र व शनि के साथ अन्य ग्रह हमें आकाश में दिखाई देते हैं जिनके नाम पर वारों के नाम दिए गए हैं अर्थात रविवार ,सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार शनिवार।

क्या होते है छाया ग्रह

इन सात ग्रहों के अलावा ज्योतिष में छाया ग्रहों को भी प्रमुखता से अध्ययन किया जाता है। यह दो छाया ग्रह हैं राहु और केतु। पृथ्वी का जो परिक्रमा पथ है, उससे चंद्रमा का परिक्रमा पथ 5 इंच के झुकाव पर है, इसलिए जब चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है , तब वह एक बार पृथ्वी की परिक्रमा पथ को काटकर ऊपर की तरफ जाता है और ठीक उससे 180 अंश बाद इस परिक्रमा पथ को काटकर नीचे की ओर जाता है। इस प्रकार जब चंद्रमा इस परिक्रमा पथ को काटकर ऊपर जाता है ,उस बिंदु को राहु और जब परिक्रमा पथ को काटकर नीचे की ओर जाता है उस बिंदु को केतु कहते हैं। राहु और केतु का भी हर काफी प्रभाव होता है। इस प्रकार नौ ग्रहों की आकाश में हमारे जन्म के समय जो स्थिति होती है। उस को दर्शाने वाला चार्ट ही हमारी जन्मपत्री होती है और इन 9 ग्रहों के होने वाले प्रभाव का अध्ययन ही ज्योतिष है। इससे हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त होती हैं।

हमारी अनुभूति करते हैं प्रभावित

श्री मनोहर वर्मा कहते हैं कि सूर्य और चंद्रमा के प्रभाव में आने से मनुष्य की अनुभूति भी प्रभावित होती है। जैसे सूर्य से ऋतु में बनती हैं उन ऋतुओं का अलग-अलग प्रभाव हम महसूस करते हैं। वही चंद्रमा के प्रभाव से जब अमावस्या आती है तो हमारी अनुभूति पूरी तरह से बदल जाती है।जिससे हम कह सकते हैं कि सूर्य और चंद्रमा हमारी संवेदनाओं को भी प्रभावित करता है।

नौ ग्रहों से बनती है जन्मपत्री

श्री वर्मा कहते हैं कि मानव जीवन में यह नौ ग्रह बहुत प्रभाव डालते हैं, जब मानव का जन्म होता है। तब देखा जाता है कि उस समय यह सभी ग्रह किस स्थितियों में हैं, जिसका एक चार्ट बनाया जाता है और इस चार्ट में ग्रहों की स्थिति दर्शाई जाती है जिसे हम जन्मपत्री कहते हैं।

जबलपुर में कोरोना की भयावह स्थिति

9 माह पहले 6 हजार 42 केस थे अब एक माह में 4 हजार 717 केस

जबलपुर, यशभारत। कोरोना की दूसरी लहर से के मुताबिक तीसरी लहर में कोरोना पॉजीटिव मरीजों की संख्या अभी तक ज्यादा सामने आई है। यह स्वास्थ्य विभाग के आंक ? बता रहे हैं। दरअसल 9 माह पहले 8 मई 2021 शनिवार में 6 हजार 42 कोरोना पॉजीटिव केस थे जबकि उसकी तुलना की जाए तो जनवरी 2022 रविवार में 4 हजार 717 केस अभी तक सामने आए हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि मई 2021 की तुलना में जनवरी 2022 में कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या बहुत कम है। इधर प्रशासन और मई और जनवरी के आंकड़ों को देखकर कोरोना संक्रमण से लड़ने और लोगों को बचाने के लिए प्रयास में जुटा है। प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 23 जनवरी को 5 हजार 213 सैम्पल की रिपोर्ट प्राप्त हुई। इसमें 910 नए संक्रमित मिले। वहीं 595 मरीज ठीक भी हुए।

थर्ड वेव जानलेवा नहीं

प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार मई 2021 में कोरोना की दूसरी लहर में 479 मरीजों की मौत हो चुकी थी अगर हम जनवरी 2022 मतलब इस माह की बात करें तो सिर्फ अभी तक एक मौत हुई। हालांकि निजी अस्पतालों में लगातार गंभीर मरीजों की मौत हो रही है और सभी कोरोना पॉजीटिव आए हैं।

8 मई 2021 शनिवार को 946 केस पॉजीटिव आए थे

जबलपुर में तीसरी लहर में सबसे अधिक 910 केस 23 जनवरी रविवार को सामने आए। एक बुजुर्ग ने कोविड के चलते दम तो ?ा। बुजुर्ग गंभीर बीमारी से पी ?त थे। जिले में एक्टिव केस की संख्या 4 हजार 717 पहुंच गई है। इससे पहले एक दिन में सबसे अधिक संक्रमित दूसरी लहर में मई में 946 संक्रमित मिले थे।

दूसरों जिलों में भी स्थिति ठीक नहीं

प्रदेश का एक भी जिला ऐसा नहीं है, जहां पर 24 घंटे के अंदर कोरोना के नए केस न मिले हो। सभी 52 जिलों में संक्रमित मिले हैं। 11 हजार 253 नए पॉजिटिव केस मिलाकर प्रदेश में एक्टिव केस 67 हजार 136 हो गए हैं। 5497 मरीज ठीक होकर घरों को लौटे। प्रदेश में 1118 संक्रमित संदिग्ध मरीज अस्पताल में भर्ती हैं।

90 वर्षीय सीता राव को लगाई वैक्सीन

जबलपुर। कोरोना टीकाकरण अभियान के तहत आज सोमवार को रामेश्वरम कॉलोनी, बड़ी उखरी निवासी 90 वर्षीय श्रीमती ए सीता राव को मोबाइल वैक्सीनेशन टीम द्वारा वैक्सीन लगाई गई। मूलतः हैदराबाद निवासी श्रीमती राव वृद्धावस्था की वजह से चलने में असमर्थ होने के कारण अभी तक वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगवा सकी थीं। मोबाइल वैक्सीनेशन टीम द्वारा आज उनके घर जाकर उन्हें कोवैक्सीन की पहली डोज लगाई गई। रामेश्वरम कॉलोनी निवासी 90 वर्ष की ही श्रीमती श्याम कांति दीक्षित को भी मोबाइल टीम द्वारा घर जाकर वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई।

साहब पति ना चैन से जीने दे रहा और ना मरने दे रहा है ...बताओ मैं क्या करूं?

जबलपुर यश भारत। गोहलपुर थाना अंतर्गत रोते हुए थाने पहुंची पत्नी ने पुलिस से गुहार लगाते हुए शिकायत दी है कि उसका शराबी पति ना उसे ना जीने दे रहा है और ना मरने दे रहा है स्थिति यह है कि उसका जीवन नर्क हो गया है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो वह आत्महत्या कर लेगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पति को तलाश करने में जुटी है। जानकारी अनुसार बधैयां मोहल्ला निवासी एक पीड़िता ने अपने पति राजेश बर्मन के खिलाफ शिकायत सौंपते हुए पुलिस को बताया कि उसका शराबी पति आए दिन उसके साथ जमकर मारपीट करता है और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देता है इतना ही नहीं वर्षों से उसका पति शराब पीता है जिसके कारण ही उसकी गृहस्थी स्वाहा होने की कगार में है विगत दिन उसका शराबी पति घर आया और जब उसने शराब पीने से मना किया तो वह गाली गलौज करने लगा और उसे जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ जमकर मारपीट कर दी और मौके से फरार हो गया पीड़िता की शिकायत पर मुस्तैद पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपी को तलाश करने में जुटी है।

दादा ने लिया था गोदनामा अब प्रॉपर्टी देने से मुकर रहे परिजन

दोनों पक्षों में जमकर चले लात घूंसे

जबलपुर यश भारत। 7 वर्षों पहले संतान न होने के चलते दादा ने एक बालिका को गोद ले लिया लेकिन विगत 4 दिनों पहले उनकी मौत के बाद प्रॉपर्टी को लेकर घर में झगड़ा शुरू हो गया। जिसके चलते दोनों पक्षों में जमकर लात घूंसे चले। पुलिस ने काउंटर मामला दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता आरती पटले पिता चतुर्भुज पटले उम्र 28 वर्ष गेट नंबर 4 की निवासी है बताया जाता है कि वर्षों पहले गोदनामा हुआ था अब विवाद में पड़ गया है क्योंकि दादा के परिजन प्रॉपर्टी में फूटी कौड़ी देने के लिए भी तैयार नहीं है पीड़ित ने बताया किसी बात को लेकर दरमियानी रात सोमा नामदेव उनके साथ नेहा नामदेव और स्नेह लता नामदेव ने उसके साथ जमकर मारपीट कर दी जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई , तो वहीं ; दूसरी ओर सोमवती नामदेव पति हरिशंकर नामदेव 64 वर्ष निवासी गेट नंबर 4 मदन महल ने बताया की आरती पटले और अन्य ने मिलकर उसके साथ जमकर गाली-गलौज की और मना करने पर जमकर मारपीट कर दी जिससे उसे चोटे आई हैं पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए जांच में लिया है।

शादी में जा रहे युवक को बाइक सवार ने मारी टक्कर मौत

जबलपुर ,यश भारत। गोसलपुर थाना अंतर्गत जुझारी रोड पर पैदल जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार बाइक सवार ने सीधी टक्कर मार दी हादसे के दौरान लहूलुहान हालत में रोड के किनारे पड़े युवक को तत्काल मेडिकल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान दरमियानी रात युवक ने दम तोड़ दिया पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जुगल किशोर श्रीवास उम्र 45 वर्ष मदर टैरेसा नगर का निवासी था और दरमियानी रात शादी समारोह में सम्मिलित होने जा रहा था तभी पैदल जा रहे युवक को एक बाइक सवार ने रौंद दिया और मौके से फरार हो गया पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है।

स्माईल्स by डॉ. शंकरन
व्यापक दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र
केयर ऑफ मंजूषा नर्सिंग एवं मेटरनिटी होम किंग्सवे मेन रोड, सदर बाजार, जबलपुर (म.प्र.) 482001
0761-4098765, मो.9826110610
Website-www.smilesbydrshankaran.com
Email-info@smilesbydrshankaran.com
dr.abhilash@rocketmai.com
डॉ. अभिलाष शंकरन
बी.डी.एस., एम.डी.एस., (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडॉंटिक्स)
रजि नं. A- 1918
रूट कैनाल एवं सौंदर्य दंत चिकित्सा विशेषज्ञ
यहाँ दांतों की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।
सुविधाएँ उपलब्ध :-
दंतों की नस का इलाज (रूट कैनाल ट्रीटमेंट), कॉस्मेटिक डेंटिल फिलिंग।, दंतों के पीलेपन का उपचार (डेंटल ब्लीचिंग)।, डेंटल एक्सरे।, दंतों की सफाई (स्केलिंग) एवं पायरिया रोग का उपचार।, फिक्स दॉत लगवाना (सिरामिक एवं मेटल)।, टेढ़े दातों का इलाज (आर्थोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, बत्तीसी लगवाना- फिक्स एवं निकालने वाली (डेन्चर)।, बच्चों के दांतों का इलाज (पीडोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, डेंटल इम्प्लांट।, डेन्टल ज्वेलरी।, सड़े हुए दातों को निकालना (डेंटल एक्सट्रैक्शन)।

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे
Life Care ICU. मुखर्जी हॉस्पिटल
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. कार्डियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल (छाति एवं सांस रोग विशेषज्ञ एम.डी)
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंज्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग-पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, निःशुल्क उपलब्ध।
पताः- 1933 ,प्रेम मंदिर के पास राइट टऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्रः-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोनः- 0761- 4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

पारिवारिक विवाद पर महिला को चाकू से गोदा

जबलपुर यश भारत। पारिवारिक विवाद में बंटवारे को लेकर महिला पर उसके इस सगे संबंधियों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर लहूलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गए जख्मी हालत में थाने पहुंची पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपियों को तलाश करने में जुटी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमती सीमा पटेल निवासी अमर नगर ने पुलिस को शिकायत दी है कि उसके सगे संबंधी हैं पारिवारिक झगड़ा और संपत्ति के बंटवारे को लेकर संतोष पटेल और लक्ष्मी पटेल ने उसके ऊपर प्राणघातक हमला करते हुए वार कर दिया पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया है वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार है जिसकी पुलिस तलाश करने में जुटी है।

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED Co.
मैरिज स्पेशल शूज
डीसेन्ट फुटवेयर
Exclusive Party Shoes
करमचंद चौक, जबलपुर
प्रो. आकाश श्रीवास्तव
मो.: 9425159114, 8982481114

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

ट्राली से गिरकर चक्के के नीचे आया सिर

जबलपुर यश भारत। माढोताल थाना अंतर्गत लोडेड ट्राली के नीचे दबने से एक वृद्ध मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला कायम कर जांच में लिया है,वही वृद्ध की मौत के बाद क्षेत्र में गहमागहमी का माहौल है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 20 एबी 9547 का चालक ट्राली में मिट्टी लोड कर जा रहा था ब्रह्मानंद पिता धनीराम पटेल उम्र 60 वर्ष हिनौता पाटन का निवासी है जो ट्राली में बैठे हुए थे जिनकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जिस वक्त यह हादसा हुआ ट्रैक्टर चालक वाहन को तेज रफ्तार से दौड़ा रहा था तभी मेन रोड ब्रेकर से ट्राली उछलकर अनियंत्रित हुई और उसी दौरान ट्राली में बैठे वृद्ध ट्राली से गिरकर जमीन पर आ गए और ट्रैक्टर का पहिया वृद्ध के सिर से गुजर गया जिसके बाद आनन-फानन में राहगीरों और आसपास के लोगों ने तत्काल डायल हंड्रेड को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल वृद्ध को जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया जहां इलाज के दौरान वृद्ध ने 16 जनवरी 2022 को दम तोड़ दिया। वृद्धि की मौत के बाद पुलिस ने मर्ग जांच की तो पता चला की ट्रैक्टर चालक शराब के नशे में वाहन चला रहा था जिसके कारण वाहन के पहियों दबकर वृद्ध ने दम तोड़ दिया पूरी जांच के बाद पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है ट्रैक्टर चालक फरार है जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

आवश्यकता है हेल्थ एवं लाइफ इंश्योरेंस
विश्व की बहुचर्चित कंपनी में कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। मार्केटिंग वालों को प्रथम प्राथमिकता
योग्यता- 10वीं से स्नातक
शीघ्र संपर्क करें
वेतन 5 अंकों में
मो. 9300068860, 7987249262

श्री लक्ष्मी मेडिकल
यहां सभी प्रकार की दवाईयां उपलब्ध, साथ ही पायें 15 से70 प्रतिशत तक की छूट
त्रिवेणी हेल्थ केयर के सामने राइट टाउन स्टेडियम के पास
मो. 9977213219,7691912082

प्रो. प्रेरणा रोहरा
कुल्हड़ वाला -गरमागरम
केसर दूध
सूखे मेवे से भरपूर
विजय नगर, एकता चौक, जेन्ट्री गेट के नीचे
शाम- 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक (अवश्य पधारें) मो. 7974758785

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
मकर संक्रांति के फ्रुट आयटम उपलब्ध
चना, रेबड़ी, गजक, ड्रायफ्रूट, नमकीन, तोस, लईया, लड्डू, भेल
Pure & Tasty AK'S Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

लक्ष्मी एम्पोरियम के 38वें वर्ष में प्रवेश
खरीदी हेतु आमंत्रित
लक्ष्मी एम्पोरियम
लेडीज-जेंट्स शाल स्टाल, कश्मीरी सेमी पेशमीना, जमावार फैंसी रंग डिजाइन, मिंक कम्बल, रजाईयां, मैरिज सैट टॉवल, बेडकवर,
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

अब नये परिवेश में
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
फ्लोरिंग एंड फर्नाशिंग, पर्दा एवं सोफा क्लाथ, वाल पेपर मिंक कम्बल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने 3 /15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)